नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2)
Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 04, अंक 208, नई दिल्ली, सोमवार 02 नवम्बर 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

**आज का सुविचार**

"सच्ची सफलता वही है, जिसमें हमारी मेहनत के साथ किसी और के जीवन में भी उम्मीद, सुरक्षा और मुस्कान जुड़ जाए।"

02 संयुक्त अंक 12 – राजा, रानी और राजगुरु: सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का प्रभाव: | 06 कभी शुद्ध हवा की पहचान थे गांव, आज प्रदूषण की चपेट में | 08 आज का साइबर सुरक्षा संदेश : "लॉस्ट USB ट्रैप" : एक छोटा उपकरण, लेकिन

# दिल्ली के व्यावसायिक वाहनों के फर्जी फिटनेस का बड़ा रैकेट उजागर - राजस्व को करोड़ों का चूना, सड़क सुरक्षा खतरे में

## TRWA ने आयुक्त परिवहन को लिखा पत्र - अन्य राज्यों के ATS केंद्रों द्वारा बिना भौतिक उपस्थिति फर्जी प्रमाण-पत्र जारी करने का आरोप

केके छाबड़ा परिवहन विशेष समाचार पत्र







**1. तथ्यात्मक पृष्ठभूमि**

(**Ref:** TRWA/05/10/TC Date 31/10/26): ट्रांसपोर्टर्स रिप्रेजेंटेटिव्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) ने आयुक्त परिवहन, दिल्ली सरकार को स्पीड पोस्ट के माध्यम से गंभीर धांधली की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

मोटर वाहन नियमों के अनुसार दिल्ली में पंजीकृत व्यावसायिक वाहन को प्रथम 8 वर्षों तक प्रत्येक 2 वर्ष में और उसके बाद प्रत्येक वर्ष ATS (Automated Testing Station) पर फिटनेस कराना अनिवार्य है। इसके लिए वैध दस्तावेज हैं:

- दिल्ली नगर निगम/परिवहन विभाग की वैध पार्किंग फीस रसीद
- वैध CNG सिलेंडर हाइड्रो टेस्टिंग प्रमाण-पत्र
- वैध स्पीड गवर्नर (SLD) जांच रिपोर्ट व सील
- 2019 के बाद के नेशनल परमिट वाहनों के लिए VLTD डाटा
- वैध PUCC, बीमा पॉलिसी, फिटनेस शुल्क और वाहन की वास्तविक भौतिक उपस्थिति।

**2. धांधली का विवरण:**

TRWA के अनुसार हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि में संचालित कुछ निजी ATS केंद्रों की मिलीभगत से एजेंटों द्वारा केवल RC और वाहन की तस्वीर के आधार पर मामूली शुल्क लेकर फर्जी फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जा रहे हैं। इससे वाहन मालिक दिल्ली में लगने वाले अनिवार्य पार्किंग शुल्क, CNG टेस्टिंग शुल्क, स्पीड गवर्नर और VLTD की शर्तों से बच निकलते हैं।

**3. खतरा और नुकसान:**

- सड़क सुरक्षा: बिना तकनीकी व भौतिक जांच के सड़कों पर दौड़ रहे अनफिट वाहन जनसाधारण के जीवन के लिए बड़ा खतरा और गंभीर दुर्घटनाओं का कारण।
- राजस्व नुकसान: दिल्ली सरकार और नगर निगम को पार्किंग शुल्क और अन्य मदों में करोड़ों रुपये का सीधा नुकसान।

**4. TRWA की जनहित मांगें:**

- VAHAN पोर्टल पर तकनीकी रोक (System Validation): जब तक दिल्ली के वाहन ने दिल्ली का निर्धारित पार्किंग शुल्क और अन्य अनिवार्य स्थानीय अनिवार्यताएं पूर्ण न करें, तब तक अन्य राज्यों के ATS से उसकी फिटनेस प्रक्रिया को पोर्टल द्वारा स्वतः ब्लॉक किया जाए।

पूर्व में जारी प्रमाण-पत्रों की उच्चस्तरीय जांच: अन्य राज्यों के ATS द्वारा जारी फिटनेस प्रमाण-पत्रों का डेटा खंगाला जाए और वाहनों की वास्तविक आवाजाही (Toll/Fastag Data) से मिलान कर भौतिक जांच कराई जाए।

- दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई: फिटनेस जारी करने वाले संबंधित ATS केंद्रों तथा दिल्ली में सक्रिय बिचौलियों/दलालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में कठोर कार्रवाई।

पत्र की प्रतिलिपि उपराज्यपाल दिल्ली, सचिव MoRTH, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, भ्रष्टाचार विरोधी शाखा और सतर्कता निदेशालय दिल्ली सरकार को भी भेजी गई है।

# वायु गुणवत्ता सही होने पर भी BS-6 से नीचे वाहनों पर प्रतिबंध - क्या यह संवैधानिक और न्यायिक कसौटी पर खरा है?







रिपोर्ट संजय कुमार बाठला प्रधान संपादक

दिल्ली सरकार ने 20 अक्टूबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा Winter Action Plan के तहत 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड BS-6 से नीचे के वाहनों पर प्रवेश प्रतिबंध घोषित किया, जिससे NCR के 10 लाख से अधिक वाहन प्रभावित हों रहे हैं।

**1. तथ्य:** 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक दिल्ली के बाहर के BS-III, BS-IV वाहनों की एंट्री बंद, केवल BS-6, CNG, EV और आवश्यक सेवाओं को छूट। 'No Valid PUCC, No Fuel' भी लागू।

**2. संवैधानिक अधिकारों पर आघात:**

- अनुच्छेद 19(1)(g) - व्यवसाय का मूल अधिकार: ट्रांसपोर्ट व्यवसाय चलाना नागरिक का मौलिक अधिकार। अकारण पूर्ण प्रतिबंध इस अधिकार का उल्लंघन।

**- अनुच्छेद 19(1)(d) - सर्वत्र भ्रमण का अधिकार।**

- अनुच्छेद 21 - जीवन और आजीविका का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट Olga Tellis Vs Bombay Municipal Corporation (1985) में स्पष्ट - आजीविका छीनना जीवन के अधिकार को छीनना है। लाखों ड्राइवर, हेल्पर, ऑपरेटर की रोजी-रोटी दांव पर।

- अनुच्छेद 14 - समानता का अधिकार: BS-6 और BS-4 दोनों PUCC पास होने पर भी भेदभाव। क्या यह Reasonable Classification है जब AQI सही है?

- अनुच्छेद 300A - संपत्ति का अधिकार: वैध रूप से खरीदा, टैक्स चुकाया, फिटनेस प्राप्त वाहन को सड़क पर चलने से रोकना।

**3. अधिनियम और GRAP का उल्लंघन:**

- मोटर यान अधिनियम 1988 धारा 115: प्रतिबंध लगाने की शक्ति राज्य को है, पर वह आनुपातिक और वैज्ञानिक आधार पर होनी चाहिए।
- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 और वायु अधिनियम 1981: प्रदूषण रोकथाम जरूरी, पर बिना AQI आधार के स्थायी प्रतिबंध नहीं।
- CAQM अधिनियम 2021: GRAP का सिद्धांत है - AQI 200 पर Stage-I, 300 पर Stage-II आदि। जब वायु गुणवत्ता सही हो तब Stage-IV जैसे प्रतिबंध लगाना GRAP के वैज्ञानिक आधार के विरुद्ध। पिछले साल यही प्रतिबंध GRAP Stage-IV लगने पर 18 दिसंबर से लगा था, इस साल निश्चित तिथियों से - यह मनमाना है।

**4. न्यायिक आदेश:**

- MC Mehta Vs Union of India (1985 से निरंतर): सुप्रीम कोर्ट ने कहा - प्रदूषण नियंत्रण जरूरी, पर साथ में ट्रांसपोर्टरों के पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था भी।
- NGT आदेश 2017: प्रदूषण नियंत्रण के उपाय आनुपातिक (Proportionate) हों, पूर्ण आजीविका समाप्त करने वाले नहीं।
- सुप्रीम कोर्ट BS-6 आदेश: 1 अप्रैल 2020 से BS-6 अनिवार्य, पर पुराने वैध वाहनों को उनकी वैध अवधि तक चलने देना।

**5. जनहित मांग:**

1. प्रतिबंध को GRAP के AQI आधार से जोड़ा जाए, निश्चित तिथि से नहीं।
2. ट्रांसपोर्ट वेलफेयर संस्थाओं के साथ बैठक कर व्यावहारिक समाधान - जैसे समय-सीमा में प्रवेश, ग्रीन कॉरिडोर।
3. नारा - पर्यावरण संरक्षण जरूरी है, लेकिन रोजगार छीनकर नहीं!

# BS-6 से नीचे के वाहनों पर प्रतिबंध के विरोध में सहारनपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

दिल्ली में BS-6 से नीचे के वाहनों पर तीन महीने की रोक का कड़ा विरोध – महासचिव बोले – पर्यावरण संरक्षण के नाम पर लाखों परिवारों की रोजी-रोटी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं.

रिपोर्ट विशेष संवाददाता परिवहन विशेष समाचार पत्र सहारनपुर

दिल्ली सरकार द्वारा 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक BS-6 उत्सर्जन मानक से नीचे के वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले ने ट्रांसपोर्ट कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है।

इस निर्णय के विरोध में सहारनपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार से तत्काल पुनर्विचार की मांग की है - एसोसिएशन के महासचिव ने कहा कि BS-6 मानक से नीचे के वाहनों में BS-4, BS-3 और अन्य पुराने उत्सर्जन मानकों वाले वाहन भी शामिल हो सकते हैं।

इन वाहनों पर प्रतिबंध से ट्रक ऑपरेटरों, ट्रांसपोर्टरों, ड्राइवरों और हेल्परों का कारोबार प्रभावित होगा - हजारों कारोबारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने के साथ लाखों परिवारों की आजीविका पर असर पड़ने की आशंका है।

महासचिव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जरूरी है, लेकिन इसके लिए ट्रांसपोर्ट उद्योग को संकट में धकेलना उचित नहीं है।



सरकार को प्रतिबंध लागू करने से पहले ट्रांसपोर्ट संगठनों के साथ संवाद करना चाहिए और व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध कराने चाहिए। सहारनपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मांग की है कि BS-6 से नीचे के वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध के फैसले पर तत्काल पुनर्विचार हो। पर्यावरण संरक्षण और रोजगार के बीच संतुलन बनाते हुए ऐसा रास्ता निकाला जाए, जिससे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले ट्रांसपोर्ट उद्योग और उससे जुड़े परिवारों की आजीविका सुरक्षित रह सके!!

# दिल्ली में BS-VI वाहन प्रतिबंध: वकीलों ने मांगी छूट, बोले- कोर्ट पहुंचना होगा मुश्किल

दिल्ली में BS-VI नियमों के तहत वाहनों पर पाबंदी से वकीलों को राहत देने की मांग की गई है। जानें क्या है पूरा मामला।

रिपोर्ट:- प्रधान संपादक संजय कुमार बाठला - सह संपादक पिंकी कुंडू

दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए लागू होने वाले सख्त नियमों ने अब कानूनी गलियारों में हलचल मचा दी है। दिल्ली में दिल्ली BS-VI वाहन प्रतिबंध के नियमों से छूट पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट की बार एसोसिएशन ने प्रशासन से गुहार लगाई है। वकीलों का कहना है कि यदि इन नियमों को सख्ती से लागू किया गया, तो अदालती कामकाज और समय पर पेशी में बड़ी बाधा आएगी।

दरअसल, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (CAQM) ने प्रदूषण कम करने के लिए एक आदेश जारी किया है। इसके तहत 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 के बीच गैर-BS-VI कमर्शियल और अन्य वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक रहेगी। इसी आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) की मानद सचिव प्रज्ञा बघेल ने 31 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट प्रशासन को पत्र लिखकर वकीलों के लिए राहत की मांग की है।

NCR से आने वाले वकीलों की बढ़ी चिंता दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (DHCBA) के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने भी इस संबंध में उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू और दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे को पत्र लिखा है। उनकी मांग है कि न्यायाधीशों, वकीलों और कोर्ट स्टाफ को इन प्रतिबंधों से बाहर रखा जाए।

वकीलों का तर्क है कि वे न्याय प्रणाली का एक अनिवार्य हिस्सा हैं और उनका काम बेहद जरूरी है। सबसे बड़ी समस्या उन कर्मचारियों और वकीलों की है जो नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद जैसे NCR शहरों से आते हैं। दिल्ली में रहने का खर्च बहुत अधिक होने के कारण कई लोग बाहरी शहरों में रहते हैं और पुराने वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इन प्रतिबंधों से उनकी आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होगी।

हालांकि, यह बताया गया है कि निजी वाहनों को इस दायरे से बाहर रखा गया है, लेकिन बसों, ट्रकों और कृषि वाहनों पर यह नियम लागू होंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि नियमों का पालन न करने वाले वाहनों को जब्त किया जा सकता है। पुलिस ने वाहन मालिकों को अपना रजिस्ट्रेशन और PUC सर्टिफिकेट अपडेट रखने की सलाह दी है। सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 011-25844444 या 1095 जारी किए गए हैं।




# ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर बड़ा बदलाव - 1 जनवरी 2027 से लागू होगा नया फ्रेमवर्क!

केंद्र सरकार ने नए वर्गीकरण को मंजूरी दी, सारथी पोर्टल पर चार श्रेणियों में बंटेगा लाइसेंस

रिपोर्ट:- परिवहन विशेष समाचार पत्र दैनिक - प्रधान संपादक: संजय कुमार बाठला। सह संपादक: पिंकी कुंडू

**1. तथ्य - क्या है नया फ्रेमवर्क?**

केंद्र सरकार (सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय - MoRTH) ने ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली को अधिक पारदर्शी और डिजिटल बनाने के लिए नए वर्गीकरण फ्रेमवर्क को मंजूरी दी है, जो 1 जनवरी 2027 से लागू होगा। अब सारथी 4.0 पोर्टल पर सभी लाइसेंसों को उनकी वैधता और स्थिति के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। मंत्रालय ने 16 अक्टूबर 2026 को इसका ड्राफ्ट जारी किया था जो 21 अक्टूबर को राजपत्र में प्रकाशित हुआ।

**2. चार श्रेणियां - मुख्य बिंदु:**

- एक्टिव (Active): वर्तमान में वैध और सक्रिय लाइसेंस
- कम्प्लायंट ड्यू (Compliant Due): अनुपालन / देय अपडेट आवश्यक - जिनका नवीनीकरण जल्द देय है
- रिन्यूअल टेम्परेरी (Renewal Temporary): अस्थायी नवीनीकरण अवधि में चल रहे लाइसेंस
- परमानेंट आर्काइव (Permanent Archive): स्थायी रूप से संग्रहीत / निष्क्रिय रिकॉर्ड

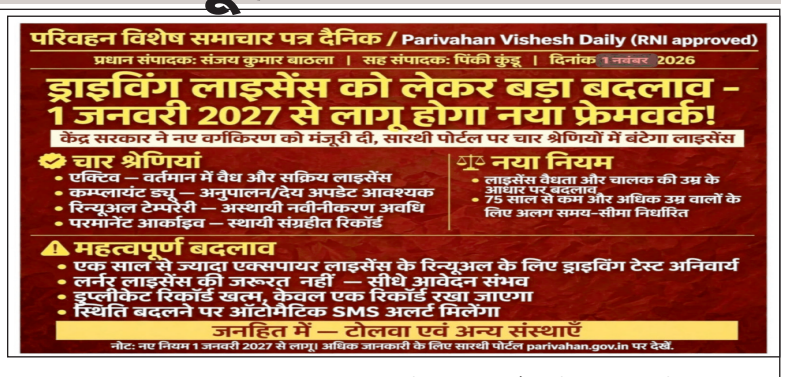
यह बदलाव लाइसेंस की वैधता और चालक की उम्र के आधार पर होगा, जिसमें 75 साल से कम और अधिक उम्र वालों के लिए अलग समय-सीमा निर्धारित की गई है।

**3. महत्वपूर्ण बदलाव:**

- एक साल से ज्यादा एक्सपायर लाइसेंस के लिए ड्राइविंग टेस्ट अनिवार्य: अब लर्नर लाइसेंस की जरूरत नहीं होगी, सीधे रिन्यूअल आवेदन संभव होगा लेकिन टेस्ट देना होगा।
- डुप्लीकेट रिकॉर्ड खत्म: अब केवल एक ही रिकॉर्ड रखा जाएगा, फर्जी लाइसेंसों पर रोक लगेगी।
- ऑटोमैटिक SMS अलर्ट: लाइसेंस की स्थिति बदलने पर चालक को तुरंत संदेश मिलेगा।
- अतिरिक्त नए प्रस्ताव (MoRTH ड्राफ्ट में): भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए अलग रंग के लाइसेंस (भारतीय - नारंगी-हरा, विदेशी - नीला-हरा), लाइसेंस पर ब्लड ग्रुप, मोबाइल और इमरजेंसी संपर्क अनिवार्य, सेफ ड्राइविंग ट्यूटोरियल पास मार्क 60% से बढ़ाकर 75%, आधार आधारित ऑनलाइन सेवाओं पर फीस माफी।

4. चालकों पर प्रभाव: इससे फर्जी लाइसेंस रैकेट पर रोक लगेगी, RTO में भीड़ कम होगी, और चालकों को अपनी लाइसेंस की स्थिति की स्पष्ट जानकारी मिलेगी। 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ चालकों के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट (Form 1-A) और रिफ्रेशर ट्रेनिंग अनिवार्य की जा रही है।

जनहित में - टोलवा एवं अन्य संस्थाएँ। नोट: अधिक जानकारी के लिए सारथी पोर्टल http://parivahan.gov.in पर देखें।






# सपनों का घर खरीदने से पहले : वास्तु की नज़र से परखें

## इस नवंबर प्रस्तुत है चार लेखों की विशेष श्रृंखला

घर खरीदना किसी भी परिवार के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है। इसके पीछे वर्षों की बचत, सोच समझकर बनाई गई योजनाएँ और अनगिनत उम्मीदें होती हैं। किसी के लिए यह वैवाहिक जीवन की शुरुआत है, तो किसी के लिए बच्चों की सुरक्षा, आरामदायक सेवानिवृत्ति या वर्षों पुराने सपने का साकार होना। अपनी बाजार कीमत से कहीं बढ़कर, घर हमारे रोजमर्रा के अनुभवों का केंद्र बन जाता है। यहीं हम विश्राम करते हैं, उत्सव मनाते हैं, काम करते हैं और परिवार के साथ आगे बढ़ते हैं।

स्वाभाविक है कि हम सही चुनाव करना चाहते हैं। हम स्थान, कीमत, सुविधाओं और निर्माण की गुणवत्ता की तुलना करते हैं। मन ही मन फर्नीचर सजाते हैं और तय करते हैं कि कौन सा कमरा किसका होगा। इन बातों के साथ अनेक परिवार वास्तु शास्त्र का मार्गदर्शन भी लेते हैं, ताकि समझ सकें कि संबंधित संपत्ति उनकी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप है या नहीं।

लेकिन अक्सर यहीं से भ्रम शुरू होता है। कोई केवल उत्तरमुखी घर लेने की सलाह देता है। कोई पूर्व दिशा में प्रवेश द्वार को अनिवार्य मानता है। कोई रसोई की एक विशेष स्थिति से सावधान करता है, तो कोई कहता है कि हर समस्या का उपाय संभव है। परस्पर विरोधी सलाह के बीच खरीदार उस निर्णय को लेकर चिंतित होने लगते हैं, जिससे वास्तव में आशा और उत्साह जुड़ा होना चाहिए।

पूरे नवंबर हम इन प्रश्नों को चार लेखों की विशेष श्रृंखला 'खरीदने से पहले अपना घर चुनने की वास्तु मार्गदर्शिका' के माध्यम से समझेंगे। प्रत्येक लेख संपत्ति के चयन के एक अलग चरण पर केंद्रित होगा। इससे पाठकों को समझने में मदद मिलेगी कि क्या देखना चाहिए, कौन से प्रश्न पूछने चाहिए और अंतिम निर्णय से पहले किन बातों का अधिक गहराई से आकलन जरूरी है।

इस श्रृंखला में वास्तु की पारंपरिक दृष्टि के साथ आराम, उपयोगिता और परिवार की आवश्यकताओं जैसे व्यावहारिक पहलुओं को भी शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य स्पष्ट और सहज व्याख्या के माध्यम से सोच समझकर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना है, ताकि पाठक इन बातों को उन घरों से जोड़ सकें जिन्हें वे देखने जाते हैं।

**पहला लेख: उत्तर और पूर्व से आगे घर चुनते समय वास्तव में क्या महत्वपूर्ण है**

हमारा पहला लेख संपत्ति से जुड़ी वास्तु चर्चाओं के संभवतः सबसे सामान्य प्रश्न पर केंद्रित होगा—'घर का मुख किस दिशा में होना सबसे अच्छा है?'

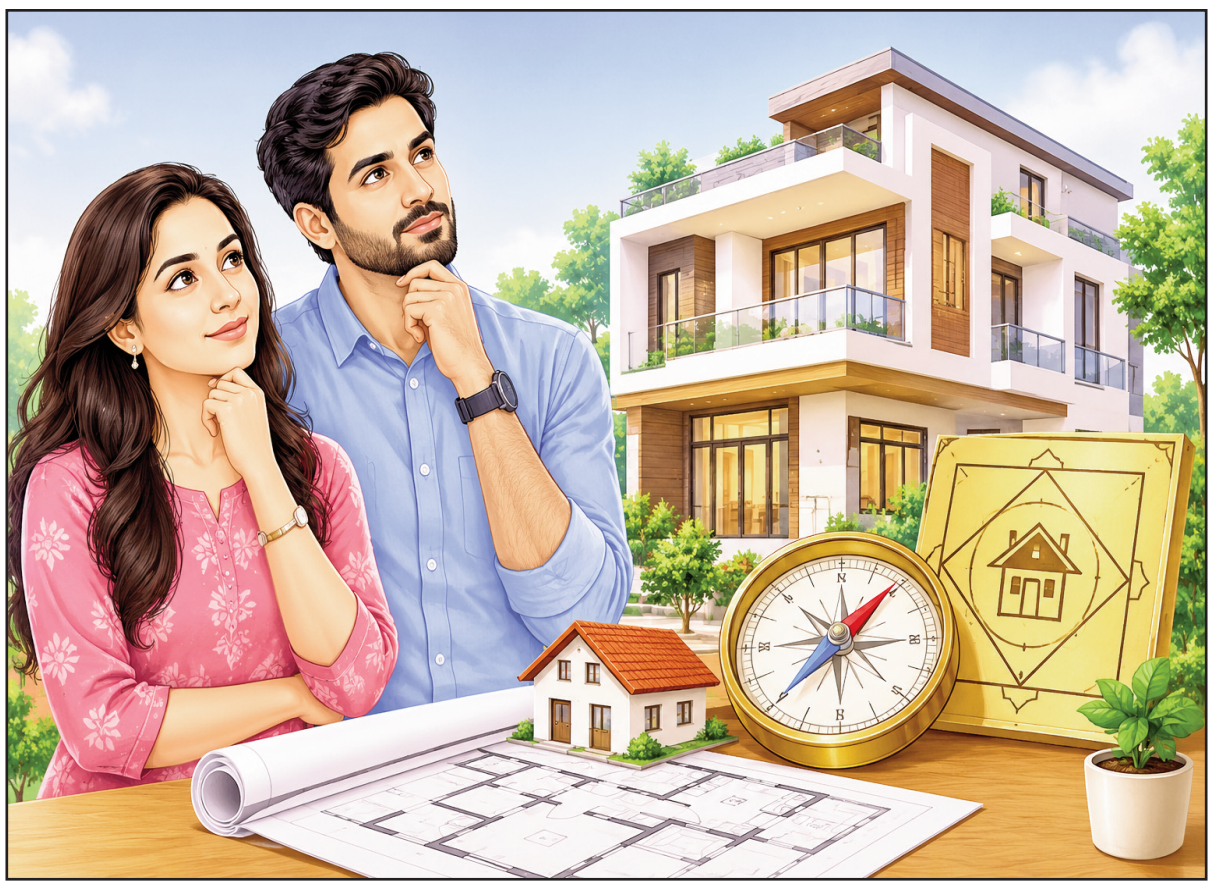
उत्तर और पूर्व दिशा को अक्सर तुरंत स्वीकृति मिल जाती है, जबकि दक्षिण और पश्चिम दिशा वाले घरों को विस्तृत जाँच के बिना ही अस्वीकार कर दिया जाता है। लेकिन किसी संपत्ति की अनेक विशेषताएँ होती हैं। उसके मुख की दिशा उसे समझने के लिए आवश्यक जानकारी का केवल एक हिस्सा देती है।

हम सबसे पहले स्पष्ट करेंगे कि 'मुख की दिशा' का वास्तविक अर्थ क्या है। क्या इसका संकेत फ्लैट के प्रवेश द्वार, उसकी बालकनी, इमारत के मुख्य द्वार या सामने की सड़क की ओर है? ये अलग-अलग बातें हैं, फिर भी संपत्ति के विज्ञापनों और सामान्य बातचीत में इन्हें अक्सर एक ही अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है।

पाठक समझेंगे कि उत्तरमुखी बताए जाने वाले दो घरों की आंतरिक योजना और रहने की परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग क्यों हो सकती हैं। एक में कमरों का आकार सुविधाजनक, हवा की आवाजाही अच्छी और आवागमन सहज हो सकता है। दूसरे में असुविधाजनक गलियारे, कम प्राकृतिक प्रकाश और परिवार की जरूरतों के अनुकूल न होने वाले स्थान हो सकते हैं।

परिचित उदाहरणों के माध्यम से हम पूरी संपत्ति का आकलन करने का महत्व समझेंगे। लेख में पारिवारिक परिस्थितियों पर भी ध्यान दिया जाएगा, जिनमें बच्चों, बुजुर्गों और घर से काम करने वाले सदस्यों की आवश्यकताएँ शामिल हैं।

पहले लेख का संदेश सरल है। किसी संपत्ति को केवल उसके मुख की दिशा के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार करने से पहले पूरे घर को समझने के लिए समय निकालिए।



**दूसरा लेख: संपत्ति पसंद करने से पहले उसका नक्शा समझिए**

आकर्षक सैंपल फ्लैट कुछ ही मिनटों में हमारी कल्पनाओं को आकार दे सकता है। सुंदर प्रकाश व्यवस्था, सुरुचिपूर्ण फर्नीचर और मेल खाते रंग सुखद भविष्य की कल्पना को आसान बना देते हैं। लेकिन इस सजावट के पीछे मौजूद स्थायी संरचना और आंतरिक व्यवस्था पर भी उतना ही ध्यान देना आवश्यक है।

हमारा दूसरा लेख पाठकों को घर का नक्शा समझने में मार्गदर्शन देगा। नक्शा बताता है कि घर के अलग-अलग हिस्से आपस में कैसे जुड़े हैं और उनका उपयोग किस प्रकार होगा।

हम चर्चा करेंगे कि सार्थक वास्तु आकलन के लिए दिशाओं के विश्वसनीय संकेत के साथ एक सटीक नक्शा क्यों आवश्यक है। अलग-अलग दिशाओं की व्याख्या करने से पहले पाठक प्रवेश द्वार, कमरों की सीमाएँ, बालकनियाँ, संरचनात्मक स्तंभ और पाइपों तथा अन्य सेवाओं के लिए बने शाफ्ट पहचानना सीखेंगे।

लेख में ब्रह्मस्थान अर्थात घर के केंद्रीय भाग के पारंपरिक महत्व का परिचय दिया जाएगा। साथ ही समझाया जाएगा कि उसका आकलन आधुनिक अपार्टमेंट की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर क्यों होना चाहिए। रसोई, शयनकक्ष, शौचालय और उपयोगिता क्षेत्रों पर भी चर्चा होगी, जिसमें पारंपरिक प्राथमिकताओं और दैनिक उपयोग की सुविधा दोनों को ध्यान में रखा जाएगा।

उदाहरण के लिए, रसोई में सुरक्षित आवाजाही, पर्याप्त वेंटिलेशन और उपकरणों की उचित जगह जरूरी है। शयनकक्ष अपने उपयोगकर्ता के लिए आरामदायक होना चाहिए। शौचालय का आकलन करते समय वास्तु संबंधी व्याख्या के साथ जल निकासी, सीलन से बचाव और रखरखाव पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

नक्शे के भीतर रोजमर्रा की गतिविधियों की कल्पना करने के लिए प्रेरित करते हुए यह लेख पाठकों को सजावटी आकर्षण से आगे देखने में मदद करेगा। इससे वे समझ सकेंगे कि संपत्ति उनके परिवार की जरूरतें कितनी अच्छी तरह पूरी कर सकती है।

**तीसरा लेख: घर की दीवारों के बाहर आसपास का वातावरण भी महत्वपूर्ण है**

हर घर एक बड़े परिवेश का हिस्सा होता है। वहाँ पहुँचने का रास्ता, पड़ोस की इमारतें, आसपास की गतिविधियाँ और भूमि की स्थिति वहाँ रहने के अनुभव को प्रभावित कर सकती हैं।

हमारा तीसरा लेख पाठकों का ध्यान प्रवेश द्वार से आगे संपत्ति के आसपास के वातावरण की ओर ले जाएगा।

जमीन या स्वतंत्र मकान खरीदने पर विचार कर रहे पाठकों के लिए हम भूखंड के आकार, पहुँच मार्ग, ढलान तथा निर्मित और खुले स्थानों के संबंध को समझेंगे। वास्तु की पारंपरिक व्याख्याओं के साथ निर्माण योजना, जल निकासी और भूमि के उपयोग योग्य क्षेत्र से जुड़े व्यावहारिक प्रश्नों पर भी चर्चा होगी।

अपार्टमेंट खरीदने वालों के लिए इमारतों के बीच की दूरी, प्राकृतिक प्रकाश, निजता, हवा की आवाजाही और मंजिल के स्तर के प्रभाव पर ध्यान दिया जाएगा। यदि पड़ोस का निर्माण खिड़कियों को बाधित करता है या लगातार शोर पैदा करता है, तो सुंदर आंतरिक सजावट के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित रह सकते हैं।

हम सड़क के जंक्शन, आसपास के संस्थानों और व्यावसायिक गतिविधियों पर भी चर्चा करेंगे। केवल किसी विशेष पहचान के आधार पर निष्कर्ष निकालने के बजाय पाठकों को वास्तविक परिस्थितियाँ देखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इनमें यातायात की आवाजाही, पार्किंग का दबाव, वाहनों की हेडलाइट की रोशनी, धूल और आसपास की गतिविधियों का समय शामिल हैं।

यह लेख किसी संपत्ति को एक से अधिक बार देखने का महत्व भी बताएगा। शांत दोपहर में मिला अनुभव व्यस्त शाम या बारिश वाले दिन के अनुभव से काफी अलग हो सकता है। सावधानीपूर्वक निरीक्षण से ऐसी बातें सामने आती हैं जिन्हें तस्वीरें और ब्रोशर स्पष्ट नहीं कर पाते।

चौथा लेख: अंतिम निर्णय—किन बातों में बदलाव संभव है और किनका गहन आकलन जरूरी है

जब खरीदार कुछ संपत्तियों की अंतिम सूची तक पहुँचता है, तो चुनौती अक्सर अलग-अलग समझौतों के बीच चुनाव करने की होती है। किसी संपत्ति का स्थान सुविधाजनक होता है, दूसरी की आंतरिक योजना बेहतर होती है और तीसरी बजट में अधिक आसानी से आ जाती है।

हमारा अंतिम लेख पाठकों को स्पष्ट प्राथमिकताओं के साथ यह तुलना करने में मदद करेगा।

हम फर्नीचर, भंडारण या कमरे के उपयोग से जुड़े बदलावों और पाइपलाइन, प्रवेश द्वार या संरचनात्मक हिस्सों को प्रभावित करने वाले बदलावों के बीच अंतर समझेंगे। बिस्तर रखने के लिए कोई दूसरी उपयुक्त जगह मिल सकती है, लेकिन स्नानघर को दूसरी जगह ले जाने के लिए बिल्कुल अलग स्तर का आकलन आवश्यक होता है।

पाठकों को महत्वपूर्ण बदलावों की व्यवहार्यता और लागत खरीद से पहले ही स्पष्ट करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। दीवारों, जल निकासी, बिजली की व्यवस्था या इमारत की साझा सेवाओं से जुड़ी सलाह का आकलन संबंधित विशेषज्ञों द्वारा किया जाना चाहिए।

लेख में उपायों पर भी यथार्थपरक अपेक्षाओं के साथ चर्चा होगी। पारंपरिक सुझावों के पीछे के तर्क और उनकी सीमाओं की स्पष्ट व्याख्या होनी चाहिए। वे मरम्मत, सुरक्षित निर्माण, कानूनी सत्यापन या आवश्यक रखरखाव का विकल्प नहीं बन सकते।

एक व्यावहारिक जाँच सूची इस पूरी श्रृंखला को समेटेगी। इसमें घर की आंतरिक योजना, आसपास का वातावरण, परिवार की जरूरतें, प्रस्तावित बदलाव और विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली जाँच शामिल होगी। उद्देश्य यह है कि खरीदार एक समान मानकों के आधार पर संपत्तियों की तुलना कर सकें और अपने अंतिम चुनाव के कारणों को समझ सकें।

**पूरे नवंबर हमारे साथ जुड़िए**

इन चार लेखों के माध्यम से हम दिशा से जुड़े एक परिचित प्रश्न से आगे बढ़कर संपत्ति के चयन की व्यापक समझ विकसित करेंगे।

वास्तु को महत्व देने वाले पाठकों के लिए यह श्रृंखला उसके पारंपरिक सिद्धांतों को अधिक सावधानी से समझने का अवसर प्रदान करेगी। घर खरीदने की तैयारी कर रहे प्रत्येक व्यक्ति को इसमें ऐसे उपयोगी प्रश्न मिलेंगे जिन्हें वे संपत्ति देखने की अपनी अगली यात्रा में साथ ले जा सकते हैं।

पूरे नवंबर हमारे साथ जुड़िए। आइए, उन स्थानों को ध्यान से समझें जिन्हें हम अपना घर बनाना चाहते हैं और समझदारी, धैर्य तथा आत्मविश्वास के साथ उनका चुनाव करना सीखें।

# स्वस्थ आहार का उद्देश्य केवल पेट भरना नहीं, बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखना है




आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान की आदतों में तेजी से बदलाव आया है। स्वाद, सुविधा और जल्दबाजी के कारण लोग अक्सर ऐसे खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देने लगे हैं, जो पेट तो भर देते हैं, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषण नहीं दे पाते। जबकि स्वस्थ आहार का वास्तविक उद्देश्य केवल भूख मिटाना या पेट भरना नहीं, बल्कि शरीर को ऊर्जा देना, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना और मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना है।

भोजन हमारे जीवन का आधार है। हम जो खाते हैं, उसका सीधा प्रभाव हमारी कार्यक्षमता, एकाग्रता, पाचन शक्ति और जीवनशैली पर पड़ता है। संतुलित आहार में शरीर की जरूरत के अनुसार प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज और फाइबर का उचित समावेश होना चाहिए। दालें, हरी सब्जियां, मौसमी फल, साबुत अनाज, दूध एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ शरीर को जरूरी पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं।

**संतुलित भोजन ही अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी**

स्वस्थ रहने के लिए भोजन में विविधता होना आवश्यक है। प्रतिदिन एक ही प्रकार का भोजन करने के बजाय अलग-अलग रंगों और प्रकार के फल एवं सब्जियों को शामिल करना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, गाजर, टमाटर, मौसमी फल, दालें और साबुत अनाज शरीर को पोषण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि शरीर की अनेक प्रक्रियाएं पानी पर निर्भर करती हैं।

**जंक फूड से बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां**

आज बच्चों से लेकर बड़ों तक में फास्ट फूड, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ, अधिक नमक, चीनी और तैलीय भोजन का सेवन बढ़ रहा है। स्वाद के आकर्षण में लोग यह भूल जाते हैं कि ऐसे खाद्य पदार्थों का नियमित और अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। मोटापा, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाले खानपान से बचना चाहिए। घर का ताजा और संतुलित भोजन बेहतर विकल्प है।

**समय पर भोजन और सही आदतें भी जरूरी**

स्वस्थ आहार का लाभ तभी मिलता है, जब भोजन के साथ दिनचर्या भी संतुलित हो। समय पर नाश्ता करना, भोजन को अच्छी तरह चबाकर खाना, रात का भोजन हल्का रखना और देर रात खाने की आदत से बचना उपयोगी है। भोजन करते समय मोबाइल और टेलीविजन से दूरी बनाकर खाने पर ध्यान देना चाहिए। इससे व्यक्ति अपनी भूख और तृप्ति को बेहतर ढंग से समझ पाता है।

**बच्चों और बुजुर्गों के खानपान पर विशेष ध्यान**

बच्चों के विकास के लिए पौष्टिक भोजन आवश्यक है। उन्हें शुरू से ही फल, सब्जियां, दूध, दाल और घर के बने भोजन की आदत डालनी चाहिए। वहीं बुजुर्गों के लिए ऐसा भोजन उपयोगी होता है, जो आसानी से पच सके और उनकी पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करे। हर व्यक्ति की उम्र, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार भोजन की आवश्यकताएं अलग-अलग हो सकती हैं।

**स्वास्थ्य के लिए भोजन के साथ जीवनशैली भी महत्वपूर्ण**

केवल अच्छा भोजन कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, स्वच्छता और तनाव से बचाव भी स्वस्थ जीवन के जरूरी आधार हैं। प्रतिदिन टहलना, योग करना और सक्रिय रहना शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

अंततः यह समझना जरूरी है कि स्वस्थ आहार कोई महंगा या कठिन नियम नहीं, बल्कि सही चुनाव और अच्छी आदतों का नाम है। स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को अपनाकर, भोजन में संतुलन रखकर और अनावश्यक तले-भुने एवं अत्यधिक मीठे पदार्थों से दूरी बनाकर हम अपने स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल कर सकते हैं। भोजन का उद्देश्य केवल भूख शांत करना नहीं, बल्कि शरीर को स्वस्थ, मन को प्रसन्न और जीवन को ऊर्जावान बनाना होना चाहिए। यही स्वस्थ जीवन की सच्ची शुरुआत है।




## धन और रिश्तों का दैनिक अंक ज्योतिष भविष्यफल

*जानिए दिन की ऊर्जा • संभालिए धन • मजबूत बनाइए रिश्ते*

**02 नवंबर 2026 | दिन का अंक: 5 — बदलाव, संवाद, अनुकूलता, गति और अवसर**

### मूलांक 1

**धन व करियर:** दिन का अंक 5 आपकी नेतृत्व ऊर्जा में गति, संवाद और लचीलापन जोड़ता है। नया संपर्क, बातचीत या काम का नया तरीका अवसर दे सकता है, लेकिन आर्थिक उद्देश्य स्पष्ट रखें।
**रिश्ते:** आप जल्दी निर्णय और स्वतंत्रता चाह सकते हैं। अपनी योजना बताते रहें ताकि स्वतंत्रता सामने वाले को उपेक्षा जैसी न लगे।
**सावधानी:** अधीरता, अचानक खर्च और केवल नया विकल्प आकर्षक लगने के कारण अच्छी योजना बदलने से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** एक सोच-समझा अवसर लें और संवाद को सीधा लेकिन लचीला रखें।

### मूलांक 2

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी संवेदनशील प्रकृति को अधिक अनुकूल बनने को कहता है। कॉल, नेटवर्किंग या दिनचर्या में बदलाव उपयोगी जानकारी दे सकता है, लेकिन आर्थिक प्रतिबद्धता से पहले विवरण जांचें।
**रिश्ते:** आज भावनाएं जल्दी बदल सकती हैं। देर से मिले उत्तर या बदले स्वर का अधिक अर्थ निकालने के बजाय खुलकर बात करें।
**सावधानी:** घबराहट में खर्च, मिश्रित संकेतों पर अधिक सोच और केवल सामंजस्य बनाए रखने के लिए तुरंत हाँ कहने से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** भावनात्मक रूप से संतुलित रहें और एक उपयोगी बदलाव के लिए खुले रहें।

### मूलांक 3

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी संवाद और रचनात्मक क्षमता के साथ अच्छा मेल रखता है। बिक्री, मार्केटिंग, शिक्षण, कंटेंट या नेटवर्किंग में गति मिल सकती है, यदि संदेश स्पष्ट रखें और समय पर फॉलो-अप करें।
**रिश्ते:** बातचीत जीवंत और आनंददायक रह सकती है। हास्य में सम्मान रखें और जरूरी भावनाओं को लगातार सामाजिक व्यस्तता के पीछे न छिपाएं।
**सावधानी:** बिखरी प्रतिबद्धताएं, गॉसिप और मनोरंजन या दिखावे पर अधिक खर्च से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** अपने शब्दों से एक उपयोगी संपर्क बनाएं और उसे वास्तविक कदम में बदलें।

### मूलांक 4

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी व्यवस्थित प्रकृति को थोड़ा लचीला बनने की चुनौती देता है। समय, तरीका या अवसर में बदलाव उपयोगी हो सकता है, यदि उसे बिना जांचे नकारने के बजाय तार्किक रूप से देखें।
**रिश्ते:** दिनचर्या में बदलाव धैर्य मांग सकता है। सामने वाला काम अलग तरीके से करे तो आलोचना के बजाय अनुकूल बनें।
**सावधानी:** कठोरता, आखिरी समय के बदलाव पर अधिक चिढ़ और खराब योजना के कारण अनावश्यक खर्च से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** मुख्य प्राथमिकताएं बनाए रखते हुए एक समझदार बदलाव स्वीकार करें।

### मूलांक 5

**धन व करियर:** आपके मूलांक 5 और दिन के अंक 5 की ऊर्जा एक-दूसरे को बहुत मजबूत करती है। संवाद, गति, व्यवसायिक समझ और अनुकूलता बढ़ेगी। नेटवर्किंग, बिक्री और बातचीत के लिए श्रेष्ठ दिन है, लेकिन तेजी के साथ आर्थिक अनुशासन जरूरी है।
**रिश्ते:** विविधता और स्वतंत्रता की जरूरत मजबूत रहेगी। संवाद पारदर्शी रखें ताकि सहजता रिश्ते में अनिश्चितता के बजाय ताजगी लाए।
**सावधानी:** जोखिमपूर्ण सट्टा, अचानक खरीदारी, जरूरत से ज्यादा प्रतिबद्धता और बार-बार दिशा बदलने से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** सबसे उपयोगी अवसर चुनें, समझदारी से बातचीत करें और उसे पूरा करें।

### मूलांक 6

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी जिम्मेदार और आराम पसंद प्रकृति में गति लाता है। नया क्लाइंट काम, यात्रा या आर्थिक योजना में बदलाव लाभ दे सकता है, यदि लाइफस्टाइल खर्च नियंत्रण में रहे।
**रिश्ते:** थोड़ी ताजगी निकटता बढ़ा सकती है। कुछ अलग योजना बनाएं या हल्के ढंग से संवाद करें, लेकिन व्यावहारिक जिम्मेदारियां न भूलें।
**सावधानी:** आराम के लिए खर्च, अधिक लिप्तता और ऐसी योजनाओं पर सहमति से बचें जो आर्थिक संतुलन बिगाड़ें।
**दिन बेहतर बनाएं:** स्थिरता से समझौता किए बिना एक ताजगी भरा बदलाव लाएं।

### मूलांक 7

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी विश्लेषणात्मक प्रकृति को नई जानकारी और संपर्क खोजने के लिए प्रेरित करता है। शोध अवसर दिखा सकता है, लेकिन पर्याप्त तथ्य मिलने के बाद विकल्पों की तुलना में ही न अटके रहें।
**रिश्ते:** कभी स्पेस और कभी रोचक बातचीत की इच्छा हो सकती है। अचानक दूरी बनाने के बजाय अपनी जरूरत स्पष्ट बताएं।
**सावधानी:** मानसिक बेचैनी, संदेह और अधूरी जानकारी पर अचानक निर्णय से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** समझदारी से खोजें, फिर एक अच्छी तरह जांचे विकल्प पर प्रतिबद्ध हों।

### मूलांक 8

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी महत्वाकांक्षी ऊर्जा में गति और बातचीत की क्षमता बढ़ाता है। व्यवसायिक चर्चा, वसूली या व्यापारिक अवसर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन संसाधन लगाने से पहले शर्तें ध्यान से जांचें।
**रिश्ते:** नियंत्रण की प्रवृत्ति आज की स्वतंत्र ऊर्जा से टकरा सकती है। सामने वाले को स्पेस दें और अपेक्षाएं थोपने के बजाय उन पर बात करें।
**सावधानी:** जोखिमपूर्ण डील, शक्ति संघर्ष और प्रतिष्ठा दिखाने के लिए खर्च से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** लचीलेपन को व्यवसायिक ताकत बनाएं और एक महत्वपूर्ण निर्णय तथ्य पर टिकाकर लें।

### मूलांक 9

**धन व करियर:** दिन 5 आपकी उद्देश्यपूर्ण ऊर्जा में गति लाता है। बदलाव, यात्रा, बातचीत या नया संपर्क संसाधनों को अधिक अर्थपूर्ण लक्ष्य की ओर मोड़ने में मदद कर सकता है।
**रिश्ते:** किसी भावनात्मक विषय के बाद आप जल्दी आगे बढ़ना चाह सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सामने वाले ने भी बात को समझने और स्वीकार करने का समय पाया है।
**सावधानी:** आवेग में उदारता, अचानक दूरी और गहरी भावनाओं से बचने के लिए लगातार व्यस्त रहने से बचें।
**दिन बेहतर बनाएं:** उद्देश्य के साथ आगे बढ़ें; भावनात्मक बोझ नहीं, उससे मिली सीख साथ रखें।

**कॉल / व्हाट्सऐप: 8750075550 | वेबसाइट: www.vediccodes.in | @vediccodes**

*Vediccodes - Your vibrations... our solutions*

साप्ताहिकी अंकशास्त्र

# संयुक्त अंक 12 – राजा, रानी और राजगुरु: सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का प्रभाव



डॉ. पूजाप्रसुन एन गोल्ड मेडलिस्ट Shivoham Shastrshivohamshastr.com 07303855446

संयुक्त अंक 12 एक ऐसा अंक है जिसका सावधानीपूर्वक अध्ययन करना आवश्यक है। पहली दृष्टि में इसमें तीन शक्तिशाली ग्रहों की ऊर्जाओं का संयुक्त प्रभाव दिखाई देता है: सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति। सूर्य अधिकार और कर्म का प्रतिनिधित्व करता है, चंद्रमा भावनाओं और कल्पनाशक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि बृहस्पति बुद्धिमत्ता, ज्ञान, मार्गदर्शन और विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है।

फिर भी, संयुक्त अंकों के अपने अध्ययन में मैं अंक 12 को विशेष रूप से शुभ या वांछनीय अंक नहीं मानती, खासकर तब जब इसे नामांक के रूप में चुना जाता है। इसका कारण यह नहीं है कि इसमें सकारात्मक गुणों का अभाव है। वास्तव में, अंक 12 में कई उत्कृष्ट गुण मौजूद हैं। वास्तविक समस्या इसके अंकों की स्थिति और उनके क्रम में है तथा इस बात में है कि ये तीनों ग्रहों की ऊर्जाएँ आपस में किस प्रकार कार्य करती हैं।

अंक 12 को ठीक से समझने के लिए हमें केवल इसके कुल योग का ही नहीं, बल्कि इसमें शामिल प्रत्येक अंक की अलग-अलग स्थिति का भी अध्ययन करना होगा।

**अंक 12 का ग्रहीय संयोग:**

चाल्डियन अंकशास्त्र में अंक 12 का योग घटकर अंक 3 बनता है।

अंक 1 सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है।

अंक 2 चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करता है।

अंक 3 बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करता है।

इस प्रकार अंक 12 में सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयुक्त प्रभाव होता है।

सूर्य गतिशील, प्रभावशाली, आत्मविश्वासी और दृढ़ निश्चयी होता है। यह नेतृत्व, व्यक्तित्व, अधिकार, पहल करने की क्षमता और उपलब्धि प्राप्त करने की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है।

चंद्रमा भावनात्मक, ग्रहणशील, कल्पनाशील और चिंतनशील होता है। यह मन, भावनाओं, संवेदनशीलता, स्मरणशक्ति, सपनों और दूसरे लोगों को समझने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है।

बृहस्पति देवगुरु बृहस्पति हैं। यह ज्ञान, बुद्धिमत्ता, शिक्षा, अध्यापन, परामर्श, नैतिकता, मार्गदर्शन, सम्मान और विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है।

जब ये तीनों ऊर्जाएँ एक साथ आती हैं, तो इनसे एक बुद्धिमान, कल्पनाशील, ज्ञानवान और प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। लेकिन इन अंकों का जिस क्रम में आना होता है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

**सबसे महत्वपूर्ण बात: अंक 1 और 2 की स्थिति:**

अंक 12 और 21 के बीच एक बहुत महत्वपूर्ण अंतर है। दोनों अंकों में वही अंक मौजूद हैं और दोनों का योग घटकर 3 बनता है, लेकिन इनका क्रम अलग-अलग है। अंकशास्त्र में मैं इस क्रम को बहुत अधिक महत्व देती हूँ।

अंक 12 में सूर्य पहले आता है और उसके बाद चंद्रमा आता है। यदि हम इन अंकों को प्रतीकात्मक रूप से समझें, तो राजा के सामने रानी खड़ी होती हैं। सूर्य राजा, अधिकार, प्रतिष्ठा और शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि चंद्रमा रानी, भावनाओं, संवेदनशीलता और मन का प्रतिनिधित्व करता है।

यह व्यवस्था अंक 12 के जातकों में पद, पहचान और सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति विशेष आकर्षण उत्पन्न करती है। ऐसे व्यक्ति इस बात को लेकर बहुत सचेत हो सकते हैं कि समाज में उनका स्थान क्या है, लोग उन्हें किस दृष्टि से देखते हैं और क्या उन्हें वह सम्मान मिल रहा है जिसके वे स्वयं को योग्य समझते हैं।

इनके लिए सामाजिक प्रतिष्ठा अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। वे चाहते हैं कि उन्हें पहचाना जाए, सम्मान मिले और उनके अधिकार को स्वीकार किया जाए। उनकी पहचान अक्सर उनके पद, उपलब्धियों और सामाजिक स्थिति से जुड़ी होती है।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इनके जीवन में भावनाओं से पहले शक्ति और अधिकार आ सकते हैं। सूर्य का प्रभावशाली स्वभाव चंद्रमा के कोमल और संवेदनशील गुणों पर हावी हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप ऐसे व्यक्ति कभी-कभी अधिकार जताने वाले, प्रभाव जमाने वाले, अभिमानी या थोड़े कठोर दिखाई दे सकते हैं।

इनके भीतर भावनाएँ होती हैं, लेकिन वे हमेशा उन्हें सबसे पहले व्यक्त नहीं करते। अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखना इनके लिए अपनी भावनात्मक कमजोरी दिखाने से अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। कभी-कभी यही बात इनके व्यक्तित्व में एक प्रकार का एटीट्यूड पैदा कर सकती है।

यह संयुक्त अंक 12 की उन मुख्य विशेषताओं में से एक है जिसे मैं समझाना चाहती हूँ। चंद्रमा की उपस्थिति का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति अपने व्यक्तित्व में भावनाओं को खुलकर व्यक्त करेगा। चंद्रमा से पहले सूर्य की स्थिति अधिकार और प्रतिष्ठा को भावनात्मक खुलेपन से अधिक प्रमुख बना सकती है।

**बृहस्पति का प्रभाव: राजगुरु:**

जब हम 1 और 2 को जोड़ते हैं, तो 3 प्राप्त होता है, जो देवगुरु बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करता है।

इससे अंक 12 को एक अतिरिक्त आयाम मिलता है। व्यक्ति केवल अधिकार या प्रतिष्ठा के बारे में ही नहीं सोचता, बल्कि इसके कुल योग में ज्ञान, शिक्षा, बुद्धिमत्ता और मार्गदर्शन के गुण भी शामिल हो जाते हैं।

मेरी व्याख्या में इस संयोग को राजा, रानी और राजगुरु की छवि के माध्यम से समझा जा सकता है। सूर्य राजा का अधिकार देता है, चंद्रमा रानी की संवेदनशीलता और समझ प्रदान करता है तथा बृहस्पति राजगुरु की बुद्धिमत्ता देता है।

इसी कारण अंक 12 से प्रभावित व्यक्ति अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षक, काउंसलर, मेंटर और सलाहकार बन सकते हैं। उनमें दूसरों का मार्गदर्शन करने और कठिन विषयों को सरलता से समझाने की क्षमता हो सकती है।

हालाँकि, इनके पढ़ाने का तरीका हमेशा सौम्य हो, यह आवश्यक नहीं है। सूर्य के अधिकार और बृहस्पति के गुरु-स्वरूप के कारण ये कठोर, अनुशासित और अपेक्षाएँ रखने वाले मार्गदर्शक बन सकते हैं। वे चाहते हैं कि विद्यार्थी, कर्मचारी या उनके मार्गदर्शन में रहने वाले लोग उनके निर्देशों का ठीक से पालन करें।

वे अपना ज्ञान उदारतापूर्वक बाँट सकते हैं, लेकिन बदले में सम्मान की अपेक्षा भी रख सकते हैं। विशेष रूप से तब, जब उन्हें लगता है कि उनके पास अधिक अनुभव या ज्ञान है, तो वे अनावश्यक रूप से उनकी बातों को चुनौती देना पसंद नहीं करते।

इसका सकारात्मक रूप एक बुद्धिमान और सम्मानित शिक्षक है। इसका चुनौतीपूर्ण रूप एक ऐसा कठोर मार्गदर्शक है जो आवश्यकता से अधिक अधिकार जताने लग सकता है।

**अंक 12 और अंक 3 के बीच संबंध:**

अंक 12 का योग घटकर 3 बनता है और इसलिए इसमें बृहस्पति के मूलभूत गुण मौजूद होते हैं। इसमें अंक 3 की श्रृंखला से जुड़े रचनात्मक, अभिव्यक्तिपूर्ण, संवादात्मक और आशावादी गुण भी दिखाई देते हैं।

बृहस्पति से प्रभावित लोगों में सीखने, सिखाने, समझाने, सलाह देने और ज्ञान बाँटने की स्वाभाविक प्रवृत्ति हो सकती है। उन्हें ऐसी भूमिकाएँ पसंद आ सकती हैं जहाँ उनकी राय सुनी जाए और उनके अनुभव को महत्व दिया जाए।

हालाँकि, अंक 3 की श्रृंखला में मैं एक महत्वपूर्ण बात बार-बार देखती हूँ। ऐसे लोग किसी काम की शुरुआत बहुत अच्छी तरह कर सकते हैं, लेकिन कई बार उसे पूरा करने में कठिनाई महसूस करते हैं।

वे किसी परियोजना की शुरुआत बहुत उत्साह, आत्मविश्वास और उमंग के साथ कर सकते हैं। उनके पास कई विचार हो सकते हैं और वे बड़ी-बड़ी योजनाएँ बना सकते हैं। लेकिन काम के बीच में कहीं उनका उत्साह कम हो सकता है, उनका ध्यान किसी दूसरी चीज की ओर चला जा सकता है या वे किसी नए अवसर की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

शुरुआत करने और काम पूरा करने के बीच का यह अंतर उनके परिणामों को प्रभावित कर सकता है।

अंक 12 में यह प्रवृत्ति एक विशेष रूप में दिखाई दे सकती है, क्योंकि इसका सूर्य कार्य करना चाहता है, चंद्रमा लगातार कल्पनाएँ करता है और योजनाओं पर दोबारा विचार करता है तथा बृहस्पति संभावनाओं का विस्तार करता रहता है। व्यक्ति में योग्यता, ज्ञान और महत्वाकांक्षा हो सकती है, लेकिन अंतिम परिणाम प्राप्त होने तक समान स्तर की निरंतरता बनाए रखना हमेशा आसान नहीं होता।

**सूर्य की पहल और चंद्रमा के कारण होने वाली देरी:**

अंक 12 की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक सूर्य और चंद्रमा के आपसी प्रभाव से उत्पन्न होती है।

सूर्य गतिशीलता, पहल करने की क्षमता, निर्णय लेने और कर्म करने से जुड़ा हुआ है। वह आगे बढ़ना और परिणाम प्राप्त करना चाहता है।

दूसरी ओर, चंद्रमा चिंतनशील और कल्पनाशील होता है। वह सोचता है, महसूस करता है, कल्पना करता है, संभावनाओं पर विचार करता है और बदलती परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया देता है।

अंक 12 में सूर्य पहले आता है, लेकिन उसके पीछे चंद्रमा आता है। यहाँ मेरी व्याख्या के अनुसार चंद्रमा लक्ष्य निर्धारित करने वाला है और सूर्य उस लक्ष्य को पूरा करने वाला अर्थात एक्जीक्यूटर है। मेरी व्याख्या में चंद्रमा धीरे-धीरे सूर्य की कार्य करने की दिशा को प्रभावित कर सकता है। व्यक्ति के भीतर कुछ हासिल करने की इच्छा तो होती है, लेकिन उसका मन लगातार नए लक्ष्य, संदेह, अपेक्षाएँ या भावनात्मक विचार उत्पन्न करता रहता है।

इससे काम को टालने और विलंब करने की प्रवृत्ति पैदा हो सकती है।

व्यक्ति को पता हो सकता है कि उसे क्या करना है, फिर भी वह अंतिम कदम उठाने में देरी कर सकता है। वह सही समय, सही परिस्थितियों, सही आत्मविश्वास या सही मानसिक स्थिति का इंतजार करता रह सकता है।

कभी-कभी वे किसी समय-सीमा के बिल्कुल नजदीक पहुँचकर बहुत मेहनत करते हैं। वे अंतिम क्षणों तक परिणाम की चिंता करते हुए इंतजार कर सकते हैं, मानो अपनी साँसें रोककर यह देख रहे हों कि आखिर परिणाम क्या होगा।

इससे कर्म और निष्क्रियता के बीच एक संघर्ष पैदा होता है।

वे अवसरों को खो सकते हैं, इसका कारण उनकी बुद्धिमत्ता या योग्यता की कमी नहीं होती, बल्कि कई बार वे सही समय पर कार्य नहीं कर पाते। कोई सुनहरा अवसर सामने आ सकता है, लेकिन अत्यधिक सोच-विचार, देरी या अनिश्चितता उन्हें उसका पूरा लाभ उठाने से रोक सकती है।

इसीलिए मैं अंक 12 में अंकों की स्थिति को विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानती हूँ। इस संयोग में ग्रहों के शक्तिशाली गुण तो हैं, लेकिन अंकों का क्रम पहल करने और कार्य को पूरा करने के बीच असंतुलन पैदा कर सकता है।

**कल्पनाशक्ति, सपने और भ्रम:**

चंद्रमा अंक 12 को बहुत अच्छी कल्पनाशक्ति प्रदान करता है। ऐसे व्यक्ति स्वप्नदर्शी, विचारशील और रचनात्मक हो सकते हैं। वे ऐसी संभावनाओं की कल्पना कर सकते हैं जिन्हें दूसरे लोग तुरंत नहीं देख पाते।

वे ऐसे विषयों में रुचि ले सकते हैं जिनमें कल्पनाशक्ति, निरीक्षण और गहन चिंतन की आवश्यकता होती है। उन्हें पढ़ना, शोध करना, मानव व्यवहार का अध्ययन करना और सामान्य व्यावहारिक जीवन से आगे के विषयों को समझना अच्छा लग सकता है।

हालाँकि, जब सक्रिय कल्पनाशक्ति को स्पष्ट निर्णयों का साथ नहीं मिलता, तो यही कल्पनाशक्ति भ्रम भी उत्पन्न कर सकती है।

वे एक ही समय में कई संभावनाओं के बारे में सोच सकते हैं। उनका मन महत्वाकांक्षा, भय, आशा, अपेक्षा और अनिश्चितता के




बीच घूमता रह सकता है।

एक क्षण में वे अत्यधिक आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं। दूसरे ही क्षण वे अपने निर्णयों पर संदेह करने लग सकते हैं। उनकी भावनात्मक स्थिति उनकी एकाग्रता बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

इसी कारण अंक 12 कभी-कभी मन की चंचलता और निर्णय लेने में असमंजस उत्पन्न कर सकता है। व्यक्ति के पास उत्कृष्ट ज्ञान और क्षमता हो सकती है, लेकिन फिर भी उसे एक ही दिशा में लगातार आगे बढ़ना कठिन लग सकता है।

**व्यक्तित्व का छिपा हुआ पक्ष:**

अंक 12 की एक और दिलचस्प विशेषता यह है कि इससे प्रभावित लोग अपना पूरा व्यक्तित्व हर किसी के सामने प्रकट नहीं करते।

चंद्रमा का एक चिंतनशील और छिपा हुआ पक्ष होता है। वह हमेशा अपनी हर बात खुलकर सामने नहीं रखता। इसी प्रकार अंक 12 से प्रभावित व्यक्ति भी सार्वजनिक रूप से अपने व्यक्तित्व का एक पक्ष दिखा सकते हैं, जबकि दूसरा पक्ष अपने तक सीमित रखते हैं।

वे आत्मविश्वासी, अधिकारपूर्ण, ज्ञानवान और सामाजिक रूप से कुशल दिखाई दे सकते हैं। लोग उन्हें ऐसे मजबूत व्यक्तियों के रूप में देख सकते हैं जिन्हें पता है कि वे क्या कर रहे हैं।

लेकिन आंतरिक रूप से वे संवेदनशील, कल्पनाशील, अनिश्चित या ऐसी परिस्थितियों से भावनात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं जिनके बारे में वे खुलकर बात नहीं करते।

वे अपनी कमजोरी दिखाना पसंद नहीं करते, विशेषकर तब जब उन्हें लगता है कि ऐसा करने से उनकी प्रतिष्ठा या छवि प्रभावित हो सकती है। सार्वजनिक व्यक्तित्व और निजी मन के बीच का यह अंतर अंक 12 में देखने योग्य एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

**करियर, व्यवसाय और उपयुक्त कार्यक्षेत्र:**

अंक 12 उन व्यवसायों और पेशों में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है जहाँ ज्ञान, संवाद, रचनात्मकता, मार्गदर्शन और लोगों के साथ संपर्क महत्वपूर्ण होते हैं।

बृहस्पति के प्रभाव के कारण शिक्षण और शिक्षा के क्षेत्र विशेष रूप से उपयुक्त हो सकते हैं। ऐसे व्यक्ति शिक्षक, प्रोफेसर, व्याख्याता, प्रशिक्षक, शैक्षणिक सलाहकार या पेशेवर मेंटर बन सकते हैं।

चंद्रमा समझ, संवेदनशीलता और दूसरों की बात सुनने की क्षमता प्रदान करता है। इससे वे अच्छे काउंसलर और सलाहकार बन सकते हैं। वे अलग-अलग दृष्टिकोणों को समझ सकते हैं और लोगों को उनकी समस्याओं के बारे में सोचने में सहायता कर सकते हैं।

सूर्य आत्मविश्वास और अधिकार प्रदान करता है। इसलिए वे ऐसी भूमिकाओं में भी सहज रह सकते हैं जहाँ उन्हें जिम्मेदारी उठानी हो, दूसरों की निगरानी करनी हो या किसी संस्था का प्रतिनिधित्व करना हो।

चंद्रमा की रचनात्मकता, बृहस्पति के ज्ञान और सूर्य के आत्मविश्वास का संयुक्त प्रभाव कला और अभिव्यक्ति से जुड़े करियर में भी सहायक हो सकता है। वे लेखन, संगीत, अभिनय, प्रदर्शन कला, क्रिएटिव डायरेक्शन, मीडिया, संचार और अन्य ऐसे क्षेत्रों में अच्छा कर सकते हैं जहाँ कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति की आवश्यकता होती है।

कूटनीति भी एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर विचार किया जा सकता है। चंद्रमा सहयोग, सामंजस्य और संवेदनशीलता से जुड़ा है, जबकि बृहस्पति विवेक और बुद्धिमत्ता प्रदान करता है। ये गुण व्यक्ति को अलग-अलग लोगों और उनके दृष्टिकोणों को समझने में सहायता कर सकते हैं। सूर्य किसी पक्ष का प्रतिनिधित्व करने या अधिकार के साथ बातचीत करने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास प्रदान कर सकता है।

हालाँकि, मैं एक बात पर विशेष जोर देना चाहती हूँ कि अंक 12 के व्यक्ति कई बार स्वतंत्र व्यवसाय की तुलना में नौकरी या किसी प्रतिष्ठित पेशेवर पद को अधिक पसंद कर सकते हैं। किसी संस्था का व्यवस्थित वातावरण उन्हें एक निश्चित भूमिका, पहचान, अधिकार और अपने ज्ञान का उपयोग करने के लिए एक मंच प्रदान कर सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि अंक 12 वाला प्रत्येक व्यक्ति व्यवसाय से दूर रहेगा। इसका अर्थ यह है कि मेरी व्याख्या के अनुसार, स्वतंत्र व्यवसाय चलाने में शामिल अनिश्चितता और लगातार निर्णय लेने की आवश्यकता की तुलना में एक प्रतिष्ठित पेशेवर पद कई लोगों को अधिक सहज और संतोषजनक लग सकता है।

**सम्मान, प्रतिष्ठा और धन:**

अंक 3 की श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण विशेषता धन की तुलना में सम्मान को अधिक प्राथमिकता देना है।

बृहस्पति ज्ञान, गरिमा, नैतिकता, सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। इसी कारण अंक 3 से प्रभावित व्यक्ति अपने प्रति मिलने वाले सम्मान को बहुत महत्व दे सकते हैं।

अंक 12 में बृहस्पति का यह गुण मौजूद है, लेकिन इसकी पहली स्थिति में सूर्य होने के कारण प्रतिष्ठा और पहचान की इच्छा और भी अधिक बढ़ जाती है।

वे अच्छी कमाई करना चाहते हैं, लेकिन केवल पैसा ही उन्हें संतुष्ट नहीं कर सकता। वे यह भी चाहते हैं कि उनके काम को पहचान मिले। वे चाहते हैं कि लोग उनके ज्ञान, अनुभव और योगदान को स्वीकार करें।

जब उन्हें किसी अधिकारी, विशेषज्ञ, शिक्षक या मार्गदर्शक के रूप में सम्मान मिलता है, तब वे स्वयं को अधिक संतुष्ट महसूस कर सकते हैं।

चुनौती तब उत्पन्न होती है जब सम्मान पाने की इच्छा व्यावहारिक विवेक से अधिक शक्तिशाली हो जाती है। कभी-कभी वे अपनी छवि बचाने, अपना पद बनाए रखने या दूसरों से मान्यता की अपेक्षा करने में बहुत अधिक समय लगा सकते हैं।

इसका स्वस्थ रूप यह है कि व्यक्ति वास्तविक विशेषज्ञता विकसित करे और अपने काम की गुणवत्ता के माध्यम से स्वाभाविक रूप से सम्मान प्राप्त करे।

**आयु के साथ बदलती सोच और प्रेरणा का प्रभाव:**

अंक 12 के अपने अध्ययन में मेरा एक और निरीक्षण चालीस वर्ष की आयु के बाद के समय से संबंधित है।

सूर्य शुरुआत में महत्वाकांक्षा, पहल करने की क्षमता और स्वयं को स्थापित करने की इच्छा प्रदान करता है। लेकिन जैसे-जैसे व्यक्ति जीवन के अधिक परिपक्व चरण में प्रवेश करता है, पहले जैसा उद्यम करने का उत्साह उतना प्रबल नहीं रह सकता।

वे काम तो करते रह सकते हैं, लेकिन कई बार परिणाम मिले-जुले हो सकते हैं या उनकी अपेक्षा के अनुसार संतोषजनक नहीं होते।

इससे यह भावना पैदा हो सकती है कि मेहनत के अनुरूप उपलब्धियाँ प्राप्त नहीं हो रही हैं। व्यक्ति के पास अनुभव, ज्ञान और काम करने की क्षमता हो सकती है, लेकिन नए काम शुरू करने या नए जोखिम उठाने के लिए पहले जैसा उत्साह महसूस नहीं होता।

इस अवस्था में बृहस्पति और चंद्रमा का प्रभाव उनकी रुचियों में अधिक प्रमुख हो सकता है। वे शोध, दर्शन, आध्यात्मिकता और ऐसे विषयों की ओर मुड़ सकते हैं जो उन्हें जीवन को अधिक गहराई से समझने में सहायता करें।

ज्योतिष, अंकशास्त्र और अन्य गूढ़ विद्याएँ उनका ध्यान आकर्षित कर सकती हैं। वे छिपे हुए पैटर्न, प्रतीकात्मक प्रणालियों, मानव व्यवहार और आध्यात्मिक ज्ञान का अध्ययन करने में रुचि लेने लग सकते हैं।

जब इस रुचि के साथ अनुशासन और वास्तव में सीखने की इच्छा जुड़ जाती है, तो यह उनके जीवन की एक रचनात्मक दिशा बन सकती है।

**संबंध और भावनाओं की अभिव्यक्ति:**

संबंधों के संदर्भ में भी सूर्य और चंद्रमा के संयोग को समझना आवश्यक है।

चंद्रमा भावनात्मक समझ, स्नेह, संवेदनशीलता और सामंजस्य की आवश्यकता का प्रतिनिधित्व करता है। सूर्य व्यक्तित्व, आत्मसम्मान, अधिकार और स्वयं को स्वीकार किए जाने की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है।

अंक 12 में चंद्रमा से पहले सूर्य की स्थिति के कारण आत्मसम्मान और व्यक्तिगत अधिकार विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

ऐसे व्यक्ति प्रेम और भावनात्मक निकटता चाहते हैं, लेकिन साथ ही वे अपने जीवनसाथी या साथी से सम्मान और पहचान की अपेक्षा भी रख सकते हैं। जब उन्हें लगता है कि उनकी उपेक्षा की जा रही है, उन्हें कम महत्व दिया जा रहा है या इस प्रकार चुनौती दी जा रही है जिसे वे अपमानजनक मानते हैं, तो उन्हें कठिनाई हो सकती है।

कभी-कभी वे अपनी भावनात्मक आवश्यकताओं पर खुलकर चर्चा करने के बजाय अधिकार जताकर अपनी अपेक्षाएँ व्यक्त कर सकते हैं।

इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि वे स्नेही, समझदार और सहयोग करने वाले हो सकते हैं। चंद्रमा उन्हें संवेदनशीलता प्रदान करता है, जबकि बृहस्पति परिपक्वता और जिम्मेदारी की भावना दे सकता है।

चुनौती तब सामने आती है जब अहंकार, प्रतिष्ठा या स्वयं को सही साबित करने की इच्छा दूसरे व्यक्ति की बात सुनने से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह सीखने की आवश्यकता हो सकती है कि भावनात्मक निकटता के लिए केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि खुलापन, धैर्य और आपसी समझ भी आवश्यक है।

**अंक 6 के साथ संबंध:**

मेरी कार्यप्रणाली में अंक 6 शुक्र का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अंक 3 बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करता है।

मैं अंक 3 की श्रृंखला के अंकों के साथ अंक 6 की श्रृंखला को अनुकूल नहीं मानती। इसलिए अंक 12, जिसका योग घटकर 3 बनता है, जब अंक 6 से जुड़ता है तो विशेष सावधानी की आवश्यकता होती है।

मेरे अंकशास्त्रीय अभ्यास में अनुकूलता से संबंधित यह एक महत्वपूर्ण विचार है। मैं इन दोनों अंकों के संबंध को केवल इसलिए स्वतः सामंजस्यपूर्ण नहीं मानती कि दोनों में आकर्षक गुण मौजूद हैं।

अंक 12 और अंक 6 की प्राथमिकताएँ तथा कार्य करने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं। बृहस्पति ज्ञान, सिद्धांतों, शिक्षा और सम्मान से जुड़ा है, जबकि शुक्र संबंधों, सुख-सुविधाओं, आनंद, सौंदर्य और भौतिक सुखों से जुड़ा है।

मेरी व्याख्या में यह अंतर आपसी तनाव उत्पन्न कर सकता है। इसलिए मैं अंक 12 को अंक 6 से प्रबल रूप से प्रभावित व्यक्तियों के लिए अनुकूल नहीं मानती और इसका विपरीत संबंध भी ध्यान देने योग्य है।

**अंक 12 का आध्यात्मिक और पारंपरिक महत्व:**

अंक 12 का अनेक धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में महत्वपूर्ण स्थान है। इसका संबंध चक्रों, पूर्णता, व्यवस्था और समय की नियमित गति से जोड़ा जाता है।

एक वर्ष में बारह महीने होते हैं और पारंपरिक घड़ी के डायल पर भी बारह घंटे अंकित होते हैं। ये उदाहरण अंक 12 को चक्रों, ऋतुओं, दोहराए जाने वाले क्रम और समय की प्राकृतिक व्यवस्था से जोड़ते हैं।

ईसाई धर्म में बारह प्रेरित अर्थात अपोस्टल्स हैं। हिंदू परंपरा में भगवान शिव से संबंधित बारह ज्योतिर्लिंग हैं, जो भगवान शिव के पवित्र तीर्थस्थल हैं।

ये उदाहरण अलग-अलग परंपराओं में बारह अंक के प्रतीकात्मक महत्व को दर्शाते हैं। इसे अक्सर पूर्णता, पवित्र व्यवस्था और आध्यात्मिक महत्व का प्रतिनिधित्व करने वाला अंक माना जाता है।

अंक 12 के अंक 3 अर्थात बृहस्पति का प्रभाव भी इसे गुरु तत्व से जोड़ता है। यह ज्ञान, बुद्धिमत्ता, शिक्षा और उच्चतर समझ की खोज का प्रतीक है।

हालाँकि, हमें बारह अंक के आध्यात्मिक प्रतीकात्मक महत्व और अंकशास्त्र में एक संयुक्त अंक के रूप में उसकी व्याख्या के बीच अंतर समझना चाहिए। किसी धार्मिक परंपरा में कोई अंक पवित्र या पूर्ण माना जा सकता है, लेकिन किसी विशेष अंकशास्त्रीय प्रणाली में उसी अंक की कुछ चुनौतीपूर्ण विशेषताएँ भी हो सकती हैं।

मैं अंक 12 को नामांक के रूप में वांछनीय क्यों नहीं मानती:

यह मेरे अध्ययन का मुख्य निष्कर्ष है।

अंक 12 में तीन शक्तिशाली प्रभाव शामिल हैं।

सूर्य अधिकार, महत्वाकांक्षा, पहल करने की क्षमता और प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

चंद्रमा कल्पनाशक्ति, भावनाएँ, संवेदनशीलता और दूसरों को समझने की क्षमता प्रदान करता है।

बृहस्पति बुद्धिमत्ता, ज्ञान, अध्यापन और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

देखने में यह एक बहुत ही आशाजनक संयोग लगता है। फिर भी, अंकों की स्थिति एक विशेष प्रकार का पैटर्न बनाती है।

सूर्य कार्य करना चाहता है, चंद्रमा कल्पना करना और विचार करना चाहता है तथा बृहस्पति ज्ञान और संभावनाओं का विस्तार करना चाहता है। इस कारण व्यक्ति में महत्वाकांक्षा, बुद्धिमत्ता और रचनात्मकता तो हो सकती है, लेकिन निरंतरता बनाए रखने, सही समय पर कार्य करने और योजनाओं को पूरा करने में कठिनाई हो सकती है।

प्रतिष्ठा पाने की इच्छा कभी-कभी भावनाओं की अभिव्यक्ति से अधिक प्रबल हो सकती है। व्यक्ति सम्मान की अपेक्षा तो कर सकता है, लेकिन अपनी भावनात्मक कमजोरी प्रकट करने में कठिनाई महसूस कर सकता है। दूसरों का मार्गदर्शन करने की क्षमता कभी-कभी कठोरता या आवश्यकता से अधिक अधिकार जताने में बदल सकती है।

व्यक्ति उत्साह के साथ काम शुरू कर सकता है, महत्वपूर्ण निर्णयों को टाल सकता है, अपनी योजनाओं पर बार-बार विचार कर सकता है और अंततः किसी अवसर की पूरी क्षमता का लाभ उठाने में संघर्ष कर सकता है।

इसीलिए मैं किसी संयुक्त अंक का मूल्यांकन केवल उसके अंतिम एकल अंक के आधार पर नहीं करती। यदि हम केवल 1 + 2 = 3 देखते हैं, तो हमें बृहस्पति और उसके सकारात्मक गुण दिखाई देते हैं। लेकिन जब हम मूल संयुक्त अंक 12 का अध्ययन करते हैं, तो हमें सूर्य और चंद्रमा के क्रम को भी ध्यान में रखना पड़ता है।

**अंक 12 और अंक 21: अंकों के क्रम का महत्व:**

अंक 12 और अंक 21, दोनों का योग घटकर 3 बनता है, लेकिन इनकी व्याख्या एक जैसी नहीं की जानी चाहिए।

अंक 12 में सूर्य चंद्रमा से पहले आता है। अंक 21 में चंद्रमा सूर्य से पहले आता है।

अंकों का यह क्रम ग्रहों के प्रतीकात्मक प्रभावों की व्यवस्था को बदल देता है। अपनी शिक्षण पद्धति में मैं इस अंतर को महत्वपूर्ण मानती हूँ, क्योंकि पहला अंक और उसके बाद आने वाला अंक आवश्यक नहीं कि एक ही प्रकार से अपना प्रभाव व्यक्त करें।

अंक 12 में राजा के सामने रानी खड़ी होती हैं। इसमें अधिकार और प्रतिष्ठा को प्रमुख स्थान मिलता है। इसका कुल योग बृहस्पति अर्थात राजगुरु बनता है।

इसीलिए मैं अंक 12 को राजा, रानी और राजगुरु के संयोग के रूप में समझाती हूँ। यह ज्ञान, अध्यापन, प्रभाव और सम्मान की क्षमता रखने वाला अंक है, लेकिन इसके साथ एटीट्यूड, भावनाओं की अभिव्यक्ति, देरी और कार्य को पूरा करने से जुड़ी चुनौतियाँ भी आती हैं।

इसलिए इन दोनों संयुक्त अंकों का अलग-अलग अध्ययन किया जाना चाहिए। केवल इसलिए इन्हें एक जैसा नहीं मानना चाहिए कि दोनों का अंतिम योग एक ही है।

**संयुक्त अंक 12 की मेरी अंतिम व्याख्या:**

संयुक्त अंक 12 सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग है। यह बुद्धिमान, रचनात्मक, कल्पनाशील और ज्ञानवान व्यक्तियों का निर्माण कर सकता है, जिनमें उत्कृष्ट शिक्षक, काउंसलर, मेंटर, सलाहकार, कलाकार और कूटनीतिज्ञ बनने की क्षमता हो सकती है।

इनमें लोगों का मार्गदर्शन करने, अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने और अपने ज्ञान के माध्यम से पहचान प्राप्त करने की स्वाभाविक क्षमता हो सकती है। वे कठोर शिक्षक और अधिकारपूर्ण मार्गदर्शक बन सकते हैं। वे केवल धन की तुलना में सम्मान और प्रतिष्ठा को अधिक महत्व दे सकते हैं तथा स्वतंत्र व्यवसाय की अपेक्षा किसी प्रतिष्ठित पेशेवर पद को पसंद कर सकते हैं।

इसके साथ ही इस अंक में कुछ चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। प्रतिष्ठा पाने की इच्छा आवश्यकता से अधिक बढ़ सकती है। भावनाओं की अभिव्यक्ति से पहले अधिकार और शक्ति आ सकते हैं। कल्पनाशक्ति भ्रम उत्पन्न कर सकती है और अत्यधिक सोच-विचार कार्य करने में देरी कर सकता है। ऐसे व्यक्ति उत्साह के साथ परियोजनाएँ शुरू कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने से पहले ही उनकी रुचि कम हो सकती है। वे काम को टालने या निर्णय न ले पाने के कारण महत्वपूर्ण अवसर भी खो सकते हैं।

चालीस वर्ष की आयु के बाद उनकी रुचियाँ धीरे-धीरे शोध, दर्शन, आध्यात्मिकता, ज्योतिष, अंकशास्त्र और अन्य गूढ़ विद्याओं की ओर बढ़ सकती हैं, जबकि पहले जैसा उद्यम करने का उत्साह उतना प्रबल नहीं रह सकता।

अंक 12 का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि केवल बुद्धिमत्ता और ज्ञान उपलब्धि की गारंटी नहीं देते। सही समय पर कार्य करना, निरंतरता बनाए रखना, भावनात्मक संतुलन रखना और जिस काम की शुरुआत की है उसे पूरा करने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

इन्हीं कारणों से, सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का शक्तिशाली सहयोग होने के बावजूद मैं संयुक्त अंक 12 को विशेष रूप से वांछनीय अंक नहीं मानती, खासकर नामांक के रूप में।

एक अंतिम बात याद रखनी आवश्यक है: जन्मां

# झज्जर में भव्य ढंग से मनाया गया हीरक जयंती समारोह








*डीसी वर्षा खांगवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया समारोह का शुभारंभ*

*कुरुक्षेत्र से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल प्रो .असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सुना शुभ संदेश*

*राजकीय नेहरू पीजी कालेज ऑडिटोरियम में हरियाणा की सांस्कृतिक झलक का हुआ बेहतरीन प्रस्तुति*

*हरियाणा प्रदेश परम्परा से प्रगति थीम पर सजी रंगोली*

परिवहन विशेष न्यूज

***झज्जर, 1 नवंबर।***

हरियाणा प्रदेश के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को हीरक जयंती के अवसर पर राजकीय नेहरू पीजी महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून और डीसी वर्षा खांगवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति में हरियाणा के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हीरक जयंती के लोगो का विमोचन भी किया।

डीसी वर्षा खांगवाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के साथ हुई। समारोह में कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का वर्चुअल माध्यम से शुभ सन्देश सुना। बीन की स्वर लहरियों व ढोल नगाड़ों के साथ अतिथिगण का भव्य स्वागत किया गया।

***60 वर्षों की विकास यात्रा पूरी कर निरंतर आगे बढ़ रहा हरियाणा : राजेश जून***

जिला स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गर्व, गौरव और उत्सव का अवसर है। हीरक जयंती केवल एक वर्षगांठ का आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की छह दशकों की विकास यात्रा, ऐतिहासिक उपलब्धियों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक प्रगति को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने अपने गठन के बाद से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है। प्रदेशवासियों के परिश्रम, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयासों ने हरियाणा को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जिला झज्जर की बात की जाए तो यहां के जवान सरहदो पर देश की रक्षा में लगे हुए हैं। वहीं खेलों में यहां खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिला और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। जीएसटी कर संग्रह की बात की जाए तो देश भर में हरियाणा चौथे स्थान पर और हरियाणा भर में जिला झज्जर तीसरे पायदान पर है। आज जिला हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, यह हम सबके सामूहिक प्रयास की देन है।

***नई पीढ़ी को हरियाणा के इतिहास और विकास यात्रा से अवगत करवाएं : डीसी***

डीसी वर्षा खांगवाल ने समारोह में उपस्थित जिला वासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश का 60 वर्षों का सफर अनेक संघर्षों, उपलब्धियों और विकास के पड़ावों से जुड़ा हुआ है। हमें अपने प्रदेश के गौरवशाली इतिहास को जानने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को भी इससे परिचित करवाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे बच्चों और युवाओं को हरियाणा के गठन, उसके उदय की परिस्थितियों और प्रदेश की






विकास यात्रा के बारे में विस्तार से बताएं, ताकि उनमें अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं के प्रति गौरव की भावना मजबूत हो।

डीसी ने कहा कि यह समझना बेहद जरूरी है कि किन परिस्थितियों में हरियाणा प्रदेश का उदय हुआ और छह दशकों के दौरान प्रदेश ने किस प्रकार विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन झज्जर की ओर से समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम उत्साह और धूमधाम से आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विद्यार्थियों, महिलाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने सभी जिला वासियों से प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

***रंगोली के माध्यम से दर्शाई हरियाणा की विकास यात्रा***

हरियाणा दिवस के अवसर पर समारोह स्थल पर आकर्षक रंगोली भी बनाई गई। शिक्षा विभाग की ओर से मोनिका और मुकेश द्वारा तैयार की गई रंगोली में पर्यावरण संरक्षण, विकास और सरकार की विभिन्न योजनाओं को कलात्मक ढंग से प्रदर्शित किया गया। रंगोली ने समारोह में पहुंचे लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उपस्थित अतिथियों ने इसकी सराहना की। विख्यात हरियाणवी कलाकार गणेश नूनवाल और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नूना माजरा की छात्राओं ने हरियाणवी नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रवक्ता संजय शर्मा ने किया। प्रदेश की छह दशकों की विकास यात्रा, उपलब्धियों और गौरवशाली विरासत झज्जर में आयोजित हीरक जयंती समारोह में देखने को मिली।

***ये अधिकारी रहे मौजूद***

इस अवसर पर एडीसी जगनिवास, एसडीएम बादली विशाल कुमार, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, सीटीएम ऋतु, डीएफओ साहिति रेड्डी, डीआरओ मनवीर सिंह, डीईओ रतिंद्र सिंह, डीडीपीओ निशा तंवर, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, डीआईओ अमित बंसल, डीपीसी अनिल शर्मा, डीपीओ नेहा दहिया, एआईपीआरओ डॉ. अश्वनी शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

# महिला पुरस्कारों के लिए 5 नवंबर का ना करें इंतजार, तुरंत तक करें ऑनलाइन आवेदन : डीसी

*अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया जाएगा सम्मानित*

परिवहन विशेष न्यूज

***झज्जर,01 नंवबर***

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च 2027 के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट, सराहनीय एवं उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए महिला पुरस्कारों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र एवं इच्छुक महिलाएं आगामी 5 नवंबर तक विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। यह जानकारी डीसी वर्षा खांगवाल ने दी।

डीसी ने बताया कि महिलाओं की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने, उनके योगदान को सम्मान देने तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के तहत महिलाओं को नकद राशि के साथ प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि पुरस्कारों के अंतर्गत श्रीमती सुषमा स्वराज अवार्ड के लिए 5 लाख रुपये, इंदिरा गांधी महिला शक्ति अवार्ड के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये, कल्पना चावला शौर्य अवार्ड के लिए 1 लाख रुपये तथा बहन शन्नो देवी पंचायती राज अवार्ड के लिए 1 लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त सरकारी कर्मचारी अवार्ड, सामाजिक कार्यकर्ता अवार्ड तथा महिला उद्यमी अवार्ड के लिए 21-21 हजार रुपये और लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए 51 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की जाएगी। सभी पुरस्कारों के साथ प्रशस्ति-पत्र भी दिया जाएगा।

*** ऑनलाइन आवेदन और पात्रता संबंधी जरूरी निर्देश***



दूसरी ओर महिला एवं बाल विकास विभाग की डीपीओ नेहा दहिया ने बताया कि पात्र महिलाएं महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा के ऑनलाइन पोर्टल एचटीटीपीएस//ओएनएलआईएनई एमआईएसडॉटडब्ल्यूसीडीएचआर वाईडॉटजीओवीडॉटआईएनजीएयू आरएवी पर निर्धारित समयावधि में आवेदन कर सकती हैं। आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है, इसलिए किसी भी प्रकार का ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुरस्कार के लिए आवेदन करने वाली महिला के पास परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ निर्धारित प्रारूप में विधिवत हस्ताक्षरित शपथ-पत्र प्रस्तुत करना भी आवश्यक है। इसमें यह घोषणा करनी होगी कि संबंधित संस्था के विरुद्ध किसी भी मंच, विभाग अथवा न्यायालय में कोई प्रतिकूल मामला लंबित नहीं है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट करना होगा कि भविष्य में यदि दी गई जानकारी गलत पाई जाती है अथवा किसी प्रकार का प्रबंधन सिद्ध होता है, तो पुरस्कार राशि एवं उससे संबंधित मौद्रिक लाभ सरकार को वापस करना होगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी नेहा दहिया ने पात्र महिलाओं से अपील की कि वे निर्धारित तिथि से पहले आवेदन प्रक्रिया पूरी करें और महिला पुरस्कारों के इस अवसर का लाभ उठाएं। आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी के लिए लघु सचिवालय में भूतल स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

# वायु प्रदूषण नियंत्रण में सहभागी बनें जिलावासी : डीसी

## डीसी वर्षा खांगवाल ने एनजीटी की ग्रेप व्यवस्था को पूर्ण ढंग से लागू करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

***झज्जर, 01 नवम्बर।***

डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि जिला में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर प्रशासन सजग है। सभी संबंधित विभाग पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता के साथ इससे जुड़े कार्यों का क्रियान्वयन सही समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एनजीटी द्वारा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रेप व्यवस्था लागू की है। इसकी पालना प्रभावी ढंग से करनी होगी। पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने के लिए समीर एप शुरू किया गया है। कोई भी नागरिक ग्रेप प्रणाली की अवहेलना या अन्य गतिविधि जो पर्यावरण को दूषित कर रही हैं, उनकी शिकायत समीर एप पर की जा सकती है।

डीसी ने कहा कि समय समय पर लगने वाले ग्रेप नियमों की कड़ाई से पालना करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं ताकि वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर भी सरकार की योजनाओं का किसानों से लाभ उठाने का आह्वान किया ,साथ ही अधिकारियों से फसल अवशेष जलाने वालों पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों द्वारा एंटी स्मॉक गन को उपयोग में लाया जाए, साथ ही वायु प्रदूषण को लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी नियमों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित की जाए।

डीसी ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी एक्शन प्लान बनाकर प्रदूषण मुक्त शहर बनाने का हर सम्भव प्रयास करें और मनमानी करने वालों के खिलाफ चालान और जरूरत पडने पर कूड़ा जलाने वालों पर एफआईआर भी दर्ज करवाएं।

***सरकारी साइट पर चल रहे निर्माण कार्यों पर धूल वायु में न फैले , इसके लिए पानी छिड़काव जरूरी***

डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर लोग काफी जागरूक हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी साइट पर चल रहे निर्माण कार्यों पर धूल मिट्टी वायु में न फैले , इसके लिए पानी छिड़काव जरूरी है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में सड़क मार्गों पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्ती बरतने की जरूरत है कि यातायात जाम की समस्या न पैदा हो।

***प्रदूषण नियंत्रण के लिए सिटीजन चार्टर का पालन करना जरूरी***

डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है ताकि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि नागरिक अपने वाहनों के इंजन को उचित ढंग से ट्यून रखें। अपने वाहनों में टायर का दबाव उचित बनाए रखें ताकि ईंधन की खपत कम हो। वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र अपडेट रखें। ट्रैफिक सिग्नल यानि लाल बत्ती पर इंजन बंद कर दें। प्रदूषण कम करने के लिए हाइब्रिड या इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दें। खुले स्थानों पर कूड़ा-कचरा न फैलाएं और न ही जलाएं। अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और उनकी देखभाल करे। त्योहारों को पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं, पटाखों से बचें। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इन नियमों का पालन कर वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में सहयोग दें।

# डीएवी पब्लिक स्कूल में 'कौशल दीपोत्सव 2026' की धूम, विद्यार्थियों ने नवाचार और रचनात्मकता से मोहा मन

परिवहन विशेष न्यूज

**पंचकूला।** डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-8, पंचकूला में शनिवार को 'कौशल दीपोत्सव 2026' के अंतर्गत कौशल बोध प्रदर्शनी एवं दीपावली कार्निवल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच, तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केशनी आनंद अरोड़ा उपस्थित रहीं। विद्यालय प्रबंधक जसकिरण हरिका और क्षेत्रीय सहायक जया भारद्वाज ने भी विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर ट्राइसिटी के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावक, पूर्व विद्यार्थी और सेवानिवृत्त शिक्षक भी मौजूद रहे।

सीबीएसई की कौशल बोध पहल से प्रेरित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल और रचनात्मक परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। कला विभाग की ओर से हस्तनिर्मित दीपक, सुगंधित मोमबत्तियां, रंगोली, तोरण और मिट्टी से बनी सजावटी वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। फेस पेंटिंग और तत्काल चित्रांकन जैसी गतिविधियों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से स्क्रैच आधारित खेल, एनिमेशन, क्यूआर कोड और अन्य डिजिटल गतिविधियां प्रस्तुत की गईं। वहीं, भौतिक विज्ञान विभाग के रोबोटिक आर्म, कैटापल्ट और प्रोपेलर बोट जैसे कार्यशील मॉडलों ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक समझ और नवाचार क्षमता को प्रदर्शित किया।

जीव विज्ञान विभाग तथा विद्यालय के माली कर्मचारियों के संयुक्त प्रयास से तैयार 'ग्रीन किचन गार्डन' प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहा। 'जो खाएं, स्वयं उगाएं' विषय पर आधारित इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती और पौष्टिक खानपान का संदेश दिया गया। बिना आग के खाना पकाने की गतिविधि के जरिए विद्यार्थियों ने पाक कला, स्वच्छता और जीवनोपयोगी कौशल का प्रदर्शन किया।

दीपावली कार्निवल में रंग-बिरंगी सजावट, स्वादिष्ट व्यंजनों, मनोरंजक खेलों और विभिन्न स्टॉलों ने उत्सव का माहौल बना दिया। मिठाइयों, चाट, गोलगप्पे, पावभाजी और भेलपुरी सहित अनेक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए, जिनका आगंतुकों ने आनंद लिया।






मुख्य अतिथि केशनी आनंद अरोड़ा, विद्यालय प्रबंधक जसकिरण हरिका और क्षेत्रीय सहायक जया भारद्वाज ने प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। आयोजन ने शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव, रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भारतीय संस्कृति के समन्वय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नवाचार, तकनीकी दक्षता और जीवनोपयोगी कौशल विकसित करना रहा। 'कौशल दीपोत्सव 2026' ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ दीपावली के उत्सव को ज्ञान, रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता से भी जोड़ा।

# लुवास में राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई गई एकता की शपथ

**हरियाणा हिसार// राजेश सलूजा**

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने कुलपति सचिवालय में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. राम नजर चौधरी, विस्तार शिक्षा निदेशक एवं अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डॉ. गौतम, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संदीप गुप्ता, मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशिका डॉ. सोनिया सिंधु, डेयरी साइंस कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. सुशीला मान, आईपीवीएस निदेशक डॉ. संजय यादव, पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनीश यादव, लेखा नियंत्रक श्री विकास खरब तथा ओएसडी डॉ. रविन्द्र सैनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शपथ के दौरान सभी ने सत्यनिष्ठा से राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लिया। उन्होंने देशवासियों के बीच एकता, भाईचारे एवं सद्भाव का संदेश फैलाने तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हुए देश की एकता को मजबूत बनाने में अपना योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही, देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प भी लिया।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी विभागों में भी राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों में शिक्षकों, कर्मचारियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस प्रकार विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संदेश दिया।

# जन समस्याओं के समाधान के लिए झज्जर में जिला स्तरीय समाधान शिविर आज

*उपमंडल स्तर पर बेरी, बहादुरगढ़ और बादली लघु सचिवालयों में सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित होंगे शिविर*

***झज्जर,01 नवंबर।***

आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार 2 नवंबर को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे, जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी वर्षा खांगवाल की अध्यक्षता में लगेगा। इस दौरान डीसी विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सुनते हुए अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध समाधान के निर्देश देंगी।

***तीनों सब डिवीजन में भी लगेंगे समाधान शिविर***

उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़ में एसडीएम अभिनव सिवाच, बादली में एसडीएम विशाल कुमार और बेरी लघु सचिवालय परिसर में एसडीएम रेणुका नांदल की अध्यक्षता में उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटान किया जाएगा।

# युवा संगम फेज 7 कार्यक्रम का समापन : एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत सात दिवसीय युवा कार्यक्रम का भव्य समापन

* युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है -- प्रो .योगेश सिंह
* युवा अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस करें --प्रो केपी सिंह

रिपोर्ट प्रो मनोज कैन दिल्ली विश्वविद्यालय - प्रस्तुतकर्ता पिंकी कुंडू

दिल्ली विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत आयोजित 26 अक्टूबर से 1नवम्बर तक, सात दिवसीय युवा संगम फेज 7 कार्यक्रम का समापन समारोह रविवार को गाँधी भवन में बड़े उत्साह, उमंग और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. नरेश ग्रोवर, निदेशक एआईसीटी दिल्ली विश्वविद्यालय में गाँधी भवन के निदेशक एवं नोडल ऑफिसर प्रोफेसर केपी सिंह, संयुक्त निदेशक, गाँधी भवन प्रोफेसर हंसराज सुमन, दयाल सिंह कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.भावना पाण्डेय, प्रो मनोज कुमार कैन, डॉ. मनीष कुमार, तमिलनाडु के कॉर्डिनेटर डॉ. नागेश्वर राव, मंच संचालन प्रोफेसर चारू कालरा ने किया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने युवा संगम फेज 7 के लिए अपना संदेश प्रेषित कर अपने प्रेरणादायी संदेश में उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता है।

भारत विभिन्न भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, परंपराओं और जीवन शैलियों का देश है, किंतु इन सभी विविधताओं के बावजूद हमारी राष्ट्रीय पहचान एक है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी पहल युवाओं को देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को समझने, एक-दूसरे के प्रति सम्मान विकसित करने तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है।

डीयू के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने भी छात्रों को अपना संदेश प्रेषित कर कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 11 वर्ष पूर्व सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल की परिकल्पना की थी जिसमें युवाओं को अपनी संस्कृति, साहित्य, भाषा, रहन सहन आदि से जोड़ना है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा अर्जित करने के साथ - साथ समाज सेवा, राष्ट्रसेवा तथा समाज में समरसता का भाव विकसित करें ताकि शिक्षा का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंचे।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय चेतना का विकास करते हैं।

मुख्य अतिथि डॉ.नरेश ग्रोवर ने अपने संबोधन में तमिलनाडु के छात्रों से कहा कि दिल्ली में हर भाषा, संस्कृति और परंपरा देखने को मिलती है, आपने भी अपने विचारों को शेयर किया होगा।

उन्होंने बताया कि सरकार की यह पहल है कि युवा पीढ़ी भारत को सही से जाने और वह तभी सम्भव है जब हम महत्वपूर्ण स्थलों पर जाकर उन्हें देखें।

आपने दिल्ली से बहुत कुछ सीखा होगा , यहाँ की यादें जरूर याद आती रहेंगी।

नोडल ऑफिसर प्रोफेसर केपी सिंह ने युवा संगम केवल एक टूर नहीं, भारत को जीने की प्रयोगशाला है।

पिछले सात दिनों में आपने हरियाणा






की रागिनी से लेकर पंजाब का भांगड़ा तथा दिल्ली की भाषा तक को महसूस किया है। यही हमारी असली ताकत है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी का एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र तब साकार होगा जब हमारा युवा अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस करेगा।

मैं आप सभी युवाओं से आह्वान करता हूँ कि आप यहाँ से अपने-अपने राज्य में जाकर इस संस्कृति के राजदूत बनें।

दिल्ली विश्वविद्यालय आप सबका अपना घर है, आप फिर आइए।

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक और युवा संगम फेज-7 के नोडल ऑफिसर प्रो.के पी सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता, सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध परंपराओं में है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ तथा विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं का सम्मान करते हुए आपसी भाईचारे एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करें।

उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनके भीतर सकारात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा का भाव विकसित होना आवश्यक है।

कार्यक्रम का समापन भावुक क्षणों के साथ हुआ। केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु के युवा एक-दूसरे को अपनी पगड़ी, टोपी और स्थानीय स्मृति चिन्ह भेंट कर विदा हुए और यह संकल्प लिया कि वे एक भारत श्रेष्ठ भारत के सच्चे सिपाही बनेंगे।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया तथा आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों की सराहना की गई।

प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रकार सात दिवसीय युवा कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि युवा भारत की विविधता का सम्मान करते हुए एक सशक्त, समरस, समावेशी एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

# सीएम योगी ने किया गोड़धोइया नाला फेज-1 का लोकार्पण, जलभराव से मिलेगी मुक्ति

परिवहन विशेष न्यूज

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर वासियों को दीपावली के बाद विकास का एक बड़ा उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने करीब ₹495 करोड़ की लागत से तैयार गोड़धोइया नाला परियोजना के फेज-1 का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने ₹880 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया, जिससे शहर की सूरत बदलने वाली है ।मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पित गोड़धोइया नाला फेज-1 शहर की जलनिकासी व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही फेज-2 और गोरखपुर सीवरेज योजना के जोन ए-3 का शिलान्यास होने से शहर के एक बड़े हिस्से को सीवरेज की आधुनिक सुविधा मिलेगी। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से दशकों से चली आ रही जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है। विकास की इस कड़ी में गोड़धोइया नाले के समानांतर प्रस्तावित सर्विस रोड का निर्माण भी शामिल है। इस सड़क के बनने से क्षेत्र में आवागमन बेहद सुगम हो जाएगा और मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा। यह सड़क न केवल कनेक्टिविटी बढ़ाएगी बल्कि स्थानीय व्यापार और विकास को भी नई गति देगी। कुल ₹1375 करोड़ से अधिक की इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य सरकार ने गोरखपुर की बुनियादी सुविधाओं को वैश्विक स्तर पर ले जाने का संकल्प दोहराया है।



मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है और ये परियोजनाएं गोरखपुर के आधुनिक स्वरूप को और निखारेंगी।

## सफदरजंग अस्पताल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

सीवीसी निदेशक पीके मोहंती ने निवारक सतर्कता को संस्थागत व्यवस्था का हिस्सा बनाने पर दिया जोर

**नई दिल्ली।** वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का समापन समारोह आयोजित किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निदेशक पीके मोहंती मुख्य अतिथि और आयोग के उप सचिव शैकी रस्तोगी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। 26 अक्टूबर से एक नवंबर तक आयोजित सप्ताह की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' रही।

इस दौरान अस्पताल में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर हुई। ओपीडी भवन में नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर मरीजों और आम लोगों को भ्रष्टाचार रोकने तथा नैतिक आचरण के प्रति जागरूक किया। इसके अलावा नारा लेखन और प्रश्नोतरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

27 अक्टूबर को जन शिकायत निवारण समिति की ओर से शिविर लगाया गया, जहां लोगों की शिकायतें सुनी गईं और उनके समाधान की दिशा में कार्रवाई की गई।

समापन समारोह में पीके मोहंती ने संस्थागत जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन के लिए निवारक सतर्कता को महत्वपूर्ण बताया। वहीं, शैकी रस्तोगी ने सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, नियमों के पालन और आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था की आवश्यकता समझाई। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता रानी शर्मा ने कहा कि सतर्कता केवल वार्षिक आयोजन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे रोजमर्रा की कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाना जरूरी है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बंबा ने आयोजन में सहयोग देने वाले विभागों और कर्मचारियों की सराहना की। कार्यक्रम का समन्वय सतर्कता अधिकारी डॉ. ऋचा कपूर ने किया।

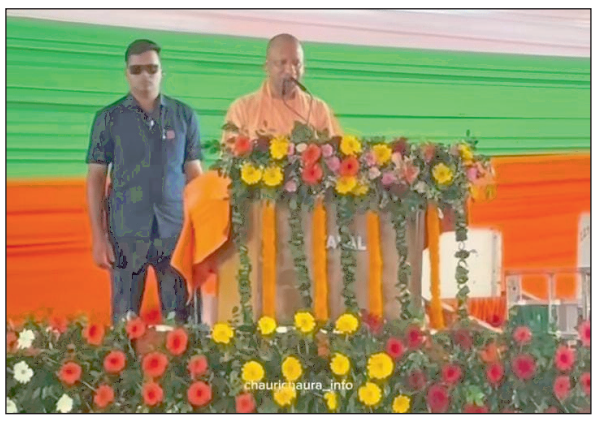



# सपा-कांग्रेस पर तीखा प्रहार: अपराधियों को प्रश्रय देने वालों से रहें सावधान

परिवहन विशेष न्यूज

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ जी की पावन तपोस्थली गोरखपुर के चौरीचौरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी। मुख्यमंत्री ने ₹287 करोड़ से अधिक की लागत वाली 84 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें सबसे प्रमुख चौरीचौरा-भोपा बाजार-मुंडेरा बाजार मार्ग पर समपार संख्या 147-बी पर बना रेलवे ओवरब्रिज है, जिसे मुख्यमंत्री ने 'क्रांतिकारी ओवरब्रिज' की संज्ञा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भी चाहता था कि यह पुल वाई मॉडल बनें लेकिन किसी व्यापारी की दुकान या मकान को बिना क्षति पहुंचाए। उन्होंने कहा, ₹हम विकास भी करेंगे और विरासत व रोजगार को भी बचाएंगे। व्यापारियों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं होगा।₹

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की ओजस्वी पंक्तियों से की। उन्होंने चौरीचौरा के ऐतिहासिक बलिदान और तरकुलहा देवी मंदिर के बाबू बंधू सिंह की वीरता का स्मरण करते हुए आजादी के मतवालों को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह धरती क्रांतिकारियों की है और यहाँ का विकास उन शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बदल चुका है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला




करते हुए कहा, ₹सपा का मतलब है अपराधियों को संरक्षण देना, जो किसानों और विकास के विरोधी हैं।₹ उन्होंने जनता को आगाह करते हुए कहा कि 'गिरगिटों' से सावधान रहने की जरूरत है। मोदी सरकार ने गरीबों का उद्धार किया है, जबकि भ्रष्टाचारी और सुरक्षा विरोधी तत्व ही आज मोदी जी का विरोध कर रहे हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष की मांग पर मुख्यमंत्री ने मुंडेरा बाजार में एक अत्याधुनिक डिजिटल नगर पंचायत कार्यालय की स्थापना का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के 25 करोड़ प्रदेशवासियों को अपना परिवार मानकर उनके सुख-दुख में सहभागी बन रही है। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को आने वाली दीपावली और छठ पर्व के लिए जनता को एक विशेष उपहार बताया। उन्होंने अंत में दोहराया कि उनकी सरकार माफिया, भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को मिट्टी में मिलाने के अपने संकल्प पर अडिग है और उत्तर प्रदेश में अब केवल विकास और उत्सव का माहौल रहेगा।

इस अवसर पर बांसगांव के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान, निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, पूर्व विधायक व राज्यसभा सांसद संगीता यादव, चौरी-चौरा विधायक सरवन निषाद, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, खजनी विधायक श्रीराम चौहान, सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला, पूर्व सांसद जयप्रकाश निषाद, पूर्व विधायक बेचन राम , भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, जिला प्रभारी अजय गौतम सहित स्थानीय भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

# रक्षक ही बन बैठे भक्षक! - थाने में ही बहू-बेटी असुरक्षित तो न्याय कहाँ?

गम्हरिया थाने के संदर्भ में वर्दी की गरिमा पर सवाल, महिलाओं की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्न

कवि संजय एम तरेणकर विश्लेषण पिंकी कुंडू सामाजिक परामर्शदाता

रक्षक ही बन बैठे भक्षक !
जिस थाने में सुरक्षा की उम्मीद ले आई,
वहीं इंसानियत शर्मसार करने हो आई।
जिस वर्दी पर विश्वास जताया था उसने,
उसी 'वर्दी' पर सवालों की बौछार आई।

यूं पति के अत्याचारों से बचने की आस,
कानून के दरवाजे पर न्याय की तलाश।
सोचा पुलिस उसे ₹सुरक्षा₹ प्रदान करेगी,
हाँ, आरोपों ने व्यवस्था की पोल खोली।

जिस हाथ में 'कानून' की जिम्मेदारी थी,
क्या ? उसमें ऐसी भी कोई लाचारी थी ?
जिसे जनता का रक्षक बनकर रहना था,
वो कम्बख्त आरोपों के घेरे में खड़ा था।

वर्दी की गरिमा पे दाग न लगना चाहिए,
रक्षक को कभी भक्षक न बनना चाहिए।
थाने की चौखट पे जब विश्वास टूटता है,
आमजन का कानून से भरोसा उठता है।
( संदर्भ-गम्हरिया थाने में भी बहू-बेटी असुरक्षित )

**1. तथ्य और मूल प्रश्न:** आपकी कविता जिस पीड़ा को व्यक्त करती है - पति के अत्याचार से बचने थाने गई महिला को वहीं असुरक्षा का सामना करना पड़े, तो यह केवल एक घटना नहीं, व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है। भारत में NCRB 2023 के अनुसार महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 4% वृद्धि, जिनमें हिरासत में दुर्व्यवहार की शिकायतें भी शामिल।

**2. संवैधानिक अधिकार - जो हर सरकार को मानना है:**

**- अनुच्छेद 14** - समानता का अधिकार, अनुच्छेद 15(3) - महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष उपबंध बनाने का राज्य का कर्तव्य

**- अनुच्छेद 21** - सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गरिमा के साथ जीना केवल पुरुष का नहीं, हर महिला का मूल अधिकार है।

- अनुच्छेद 39(क)(च) - राज्य महिलाओं को न्याय और मानवीय कार्यदशा सुनिश्चित करे, अनुच्छेद 51A(e) - महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध प्रथाओं का त्याग नागरिक कर्तव्य

**3. कानून, अधिनियम और राजपत्रित अधिसूचनाएं:**

- भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023: धारा 64-74 दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के लिए 10 वर्ष से मृत्युदंड तक, धारा 75-77 यौन उत्पीड़न, पीछा करना (Stalking धारा 78) दंडनीय, धारा 74 महिला की लज्जा भंग करना।

- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS): धारा 154 - पुलिस का FIR दर्ज करना अनिवार्य, मना नहीं कर सकती (ललिता कुमारी निर्णय के बाद कानून में), धारा 176 - दुष्कर्म पीड़िता का बयान महिला मजिस्ट्रेट द्वारा दर्ज, धारा 180 - महिला की तलाशी महिला पुलिस द्वारा ही।

- POCSO अधिनियम 2012: बच्चियों के विरुद्ध अपराध पर त्वरित विशेष अदालतें।

- कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 (POSH): हर थाने और कार्यालय में आंतरिक शिकायत समिति अनिवार्य।

**4. न्यायिक आदेश - सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश:**

- विशाखा बनाम राजस्थान (1997) और POSH कानून: कार्यस्थल पर महिला की सुरक्षा नियोक्ता की जिम्मेदारी, पुलिस थाने भी कार्यस्थल हैं।

- ललिता कुमारी बनाम यूपी सरकार (2013): संज्ञेय अपराध में FIR दर्ज करना अनिवार्य, पुलिस जांच बाद में करे।

- निर्भया केस - मुकेश बनाम NCT (2020): दुष्कर्म के दोषियों को मृत्युदंड, देश में Nirbhaya Fund बना, प्रत्येक जिले में महिला हेल्प डेस्क।

- सुप्रीम कोर्ट आदेश D.K. Basu और परमवीर सिंह सैनी बनाम बलजीत सिंह (2020): सभी थानों में CCTV और CCTNS सिस्टम से ऑडिट अनिवार्य, हर पुलिस स्टेशन के प्रत्येक कोने में रात में भी रिकॉर्डिंग हो।

**5. सरकारें कार्यवाही क्यों नहीं करती - विश्लेषण:**

- जांच का अभाव और वर्दी का बचाव: विभागीय जांच में देरी, CCTNS फुटेज मिट जाना, पीड़िता पर समझौते का दबाव।

- महिलाओं को जोड़ने की राजनीति: मुफ्त योजनाएं और आरक्षण का लाभ देकर वोट बैंक बनाना, पर थाने में महिला अधिकारी की तैनाती 33% तक भी पूरी नहीं। क्या महिलाएं स्वयं सुरक्षा नहीं चाहतीं ? सच्चाई यह है कि महिलाएं सुरक्षा चाहती हैं, पर थाने में विश्वास टूटने पर शिकायत ही नहीं करतीं - यही साइलेंस ही अपराधियों का हौसला बढ़ाता है।

6. जनहित मांग:

1. सभी थानों में CCTNS, CCTV का थर्ड पार्टी ऑडिट और 1 साल तक डेटा सुरक्षित रखना।

2. प्रत्येक थाने में महिला शिकायत कक्ष में केवल महिला अधिकारी द्वारा बयान और जांच।

3. वर्दी पर आरोप सिद्ध होने पर तत्काल निलंबन और BNS धारा 198 - लोक सेवक द्वारा पद का दुरुपयोग के तहत FIR।

संपर्क - यदि आप या कोई महिला उत्पीड़न का शिकार है, तो तुरंत 112 (आपात) / 181 (महिला हेल्पलाइन) / 1098 (चाइल्ड लाइन) पर संपर्क करें।



# ज्ञान की ज्योति जलाती कलम: लेखक डॉ. विजय गर्ग की साहित्यिक यात्रा



● डॉ. विजय गर्ग

नीट , संयुक्त प्रवेश परीक्षा , संघ लोक सेवा आयोग और भारतीय प्रशासनिक सेवा और ओलंपियाड जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से भी निःशुल्क अध्ययन सामग्री और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। वे ऑनलाइन पत्रिका एफएनबीबर्ड.काम के अकादमिक संपादक के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इस भूमिका में वे शैक्षणिक सामग्री की गुणवत्ता और बौद्धिक दिशा को मजबूत बनाने में योगदान करते हैं।

लेखक केवल कागज़ पर शब्द लिखने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह समाज का सूक्ष्म पर्यवेक्षक, विचारों का संवाहक और परिवर्तन का प्रेरक होता है। वह अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की समस्याओं को उजागर करता है, लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करता है और ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। डॉ. विजय गर्ग ऐसे ही शिक्षाविद् और लेखक हैं, जिन्होंने अपना जीवन शिक्षा, लेखन, ज्ञान के प्रसार और सामाजिक जागरूकता को समर्पित किया है।

15 अगस्त 1962 को पंजाब के गाँव फतुही खेड़ा में जन्मे डॉ. विजय गर्ग ने अपनी मेहनत, लगन और ज्ञान के प्रति समर्पण से अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने एम.एससी., बी.एससी., बी.एड. तथा सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया। पंजाब शिक्षा विभाग में लगभग दो दशकों तक गणित के प्रवक्ता के रूप में सेवाएँ देने के बाद उन्होंने प्रिंसिपल के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियाँ निभाईं। सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद भी शिक्षा और साहित्य के प्रति उनका जुड़ाव निरंतर बना हुआ है।

**### लेखन एक मिशन, केवल शौक नहीं**

डॉ. गर्ग के लिए लेखन केवल शौक या व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज को शिक्षित और जागरूक करने का एक मिशन है। पिछले कई वर्षों में उन्होंने हिंदी, पंजाबी और अंग्रेज़ी भाषाओं में हजारों लेख लिखे हैं, जो देश-विदेश के समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं और शैक्षणिक प्रकाशनों में प्रकाशित होते रहे हैं।

उनके लेखों का विषय क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण, सामाजिक समस्याएँ, स्वास्थ्य जागरूकता, करियर मार्गदर्शन, मानवीय मूल्य और समकालीन चुनौतियाँ उनके लेखन के प्रमुख विषय हैं।

वे प्रतिष्ठित शैक्षणिक पत्रिका * जूनियर साइंस रिफ्रेशर * के नियमित लेखक भी रहे हैं। उनकी लेखनी की एक विशेषता यह है कि वे जटिल वैज्ञानिक विचारों को सरल भाषा में आम पाठकों तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं। उनका मानना है कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे हमारे दैनिक जीवन की सोच और निर्णयों का हिस्सा बनना चाहिए।

**### शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन की आवाज़**

डॉ. गर्ग के लेखन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता है। उनका मानना है कि किसी लेखक को एक विषय या एक वर्ग तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उनके लेख विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, नीति-निर्माताओं और सामान्य नागरिकों के लिए उपयोगी होते हैं।

वे शिक्षा व्यवस्था में बदलाव, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के अवसरों, वैज्ञानिक खोजों, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे विषयों पर लिखते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों के शिक्षा, रोजगार और मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को भी वे अपनी लेखनी का हिस्सा बनाते हैं।



उनका विश्वास है कि कठिन विषयों को भी ऐसी सरल भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिसे सामान्य पाठक आसानी से समझ सकें। ज्ञान की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब वह मनुष्य के जीवन और निर्णयों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करे।

**### विशाल साहित्यिक योगदान**

डॉ. गर्ग ने शिक्षा, विज्ञान, गणित, करियर मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं और सामान्य ज्ञान से संबंधित 150 से अधिक पुस्तकों का लेखन और संकलन किया है। उनकी प्रमुख पुस्तकों में. कैरियर हैंडबुक

*** सर्वकालीन महान भारतीय वैज्ञानिक**

* हाइब्रिड शिक्षक

* दृश्य शब्दकोश

* असफलता से सफलता की ओर

* जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा अभ्यास पुस्तिका शामिल हैं।

इन पुस्तकों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को सरल, व्यावहारिक और रोचक बनाना है। वे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री पहुँचाने के लिए प्रयासरत रहे हैं।

उनकी पुस्तक असफलता से सफलता की ओर यह संदेश देती है कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने, सुधार करने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।

**### पुस्तकों और समाचार-पत्रों से आगे**

डॉ. गर्ग का योगदान केवल लेखन और पुस्तकों तक सीमित नहीं है। उन्होंने न्यू नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल अध्ययन सामग्री, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, सामान्य ज्ञान और शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

नीट , संयुक्त प्रवेश परीक्षा , संघ लोक सेवा आयोग और भारतीय प्रशासनिक सेवा और ओलंपियाड जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से भी निःशुल्क अध्ययन सामग्री और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

वे ऑनलाइन पत्रिका एफएनबीबर्ड.काम के अकादमिक संपादक के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इस भूमिका में वे शैक्षणिक सामग्री की गुणवत्ता और बौद्धिक दिशा को मजबूत बनाने में योगदान करते हैं।

**### लेखनी के पीछे जीवन-दर्शन**

डॉ. गर्ग के अनुसार लेखक की जिम्मेदारी केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि लोगों में तार्किक सोच विकसित करना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना, समाज की हानिकारक रूढ़ियों को चुनौती देना और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करना भी है।

वे मानते हैं कि मूल्यों के बिना शिक्षा अधूरी है, सामाजिक जिम्मेदारी के बिना विज्ञान सीमित है और व्यावहारिक जीवन में उपयोग के बिना ज्ञान अपनी बहुत-सी महत्ता खो देता है।

उनकी लेखनी में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा में समानता, पारिवारिक संबंधों में बदलाव, तकनीकी विकास और मानवीय मूल्यों जैसे विषयों के माध्यम से व्यक्तिगत जिम्मेदारी को सामाजिक प्रगति से जोड़ने का प्रयास दिखाई देता है।

**### सेवानिवृत्ति के बाद भी जारी है सफर**

सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति डॉ. विजय गर्ग के लिए सीखने, सिखाने और लिखने के सफर का अंत नहीं बनी। इसके बजाय उन्होंने स्वयं को साहित्यिक गतिविधियों, शैक्षणिक पहलों और सामाजिक जागरूकता के लिए और अधिक समर्पित कर दिया।

आज के दौर में, जब जानकारी की भरमार है लेकिन सही समझ और गहन चिंतन की कमी महसूस होती है, तब जिम्मेदार लेखकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

डॉ. विजय गर्ग का सफर यह सिद्ध करता है कि एक शिक्षक विद्यालय की चारदीवारी से बाहर आने के बाद भी समाज को शिक्षित कर सकता है। समाचार-पत्र का एक लेख जीवन का सबक बन सकता है, एक पुस्तक मार्गदर्शक बन सकती है और एक विचार किसी व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकता है।

अंततः किसी लेखक की महानता केवल उसके प्रकाशित लेखों या पुस्तकों की संख्या से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि उसने कितने मनों में नए विचार पैदा किए, कितने लोगों तक ज्ञान का प्रकाश पहुँचाया और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में कितना योगदान दिया।

*डॉ. विजय गर्ग की साहित्यिक यात्रा ज्ञान, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति निरंतर समर्पण की कहानी है। उनकी कलम शिक्षा का माध्यम है, उनके विचार प्रेरणा का स्रोत हैं और उनका लेखन एक जागरूक, विवेकशील तथा ज्ञानवान समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास है।*




# गणित का नया युग: प्रगति के नए द्वार खोलने की ओर




*डॉ. विजय गर्ग*

गणित हमेशा से ही संसार को समझने के सबसे शक्तिशाली साधनों में से एक रहा है। ग्रहों की गति से लेकर स्मार्टफोन के कार्य करने तक, पुलों के निर्माण से लेकर मौसम की भविष्यवाणी तक, आधुनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में गणित की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज तेजी से हो रहे तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ( Artificial Intelligence ) और वैज्ञानिक खोजें गणितीय प्रगति के एक नए युग के द्वार खोल रही हैं।

गणित अब केवल पाठ्यपुस्तकों, कक्षाओं और जटिल गणनाओं तक सीमित नहीं रहा है। यह नवाचार, अनुसंधान और समस्याओं के समाधान का आधार बन चुका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग और डेटा साइंस जैसी आधुनिक तकनीकें गणितीय सिद्धांतों पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। बीजगणित, कैलकुलस, सांख्यिकी, प्रायिकता और ज्यामिति जैसे विषय वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को दुनिया की जटिल समस्याओं के समाधान खोजने में मदद कर रहे हैं।

गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच बढ़ता संबंध इस क्षेत्र के सबसे रोमांचक विकासों में से एक है। गणितीय एल्गोरिदम कंप्यूटरों को विभिन्न पैटर्न पहचानने, सूचनाओं का विश्लेषण करने, भविष्यवाणियां करने और अनुभव के आधार पर अपने प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम बनाते हैं। चिकित्सा निदान से लेकर वित्तीय पूर्वानुमान तक, गणितीय मॉडल निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज और अधिक सटीक बना रहे हैं।

डेटा साइंस भी गणित का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभरा है। प्रतिदिन डिजिटल संचार, ऑनलाइन सेवाओं, वैज्ञानिक अनुसंधान और व्यावसायिक गतिविधियों के माध्यम से बहुत बड़ी मात्रा में जानकारी उत्पन्न होती है। गणित इस जानकारी को उपयोगी ज्ञान में बदलने में मदद करता है। सांख्यिकीय तकनीकें और गणितीय मॉडल सरकारों, शोधकर्ताओं तथा विभिन्न संस्थाओं को रुझानों को समझने और उचित निर्णय लेने में सहायता प्रदान करते हैं।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी गणित महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गणितीय मॉडलिंग के माध्यम से शोधकर्ता बीमारियों के फैलाव को समझते हैं, उपचार की रणनीतियों का मूल्यांकन करते हैं और नई दवाओं के विकास में सहायता प्राप्त करते हैं। जलवायु विज्ञान में गणितीय गणनाओं का उपयोग वैश्विक तापमान वृद्धि का अध्ययन करने, चरम मौसमी घटनाओं की भविष्यवाणी करने और पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों को समझने के लिए किया जाता है। इसी प्रकार कृषि में सिंचाई सुधारने, फसल उत्पादन का अनुमान लगाने और प्राकृतिक संसाधनों का कुशल उपयोग करने में गणितीय उपकरण सहायक हैं।

हालांकि, गणित का नया युग केवल उन्नत तकनीक तक सीमित नहीं है। गणित की शिक्षा को मजबूत बनाना भी उतना ही आवश्यक है। अनेक विद्यार्थी गणित को कठिन और डरावना विषय मानते हैं, क्योंकि उन्हें यह मुख्य रूप से सूत्रों, रटने और परीक्षाओं के माध्यम से पढ़ाया जाता है। शिक्षकों को दैनिक जीवन के अनुभवों, व्यावहारिक गतिविधियों, पहेलियों, प्रयोगों और वास्तविक समस्याओं से जोड़कर गणित को अधिक रोचक बनाना चाहिए।

डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरैक्टिव सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण उपकरणों के उपयोग से गणित की शिक्षा को अधिक सुलभ और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सकता है। विद्यार्थी अपनी गति से सीख सकते हैं, अपनी कमजोरियों को पहचान सकते हैं और कठिन अवधारणाओं का अभ्यास कर सकते हैं। फिर भी तकनीक को शिक्षकों का सहयोगी बनना चाहिए, न कि उनकी मार्गदर्शक भूमिका, प्रोत्साहन और मानवीय समझ का विकल्प।

एक अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकता केवल गणितीय प्रक्रियाओं को याद करने के बजाय गणितीय सोच विकसित करना है। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, विभिन्न तरीकों को आजमाने, पैटर्न पहचानने और तार्किक क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ये कौशल केवल वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए ही नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में निर्णय लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपयोगी हैं।

भविष्य में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ेगी जो गणितीय ज्ञान को रचनात्मकता, संचार कौशल और आलोचनात्मक चिंतन के साथ जोड़ सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, वित्तीय तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी और डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में मजबूत गणितीय आधार की आवश्यकता लगातार बढ़ेगी।

गणित का नया युग अपार अवसर प्रदान करता है, लेकिन इसके साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सभी की समान पहुंच भी आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों को अच्छी शिक्षा, डिजिटल संसाधनों तथा व्यावहारिक शिक्षण के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए।

गणित केवल एक विषय नहीं, बल्कि प्रगति की सार्वभौमिक भाषा है। यह हमें धैर्य, सटीकता, अनुशासन और तार्किक सोच सिखाता है। गणित की शिक्षा को मजबूत बनाकर और इसे उभरती हुई तकनीकों से जोड़कर हम युवा पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कर सकते हैं।

प्रगति के द्वार पहले ही खुलने लगे हैं। इन द्वारों को पूरी तरह खोलने की चाबी गणित हमारे हाथों में सौंपेगा।

**रिटायर्ड प्रिंसिपल। एजुकेशनल कॉलमिस्ट। प्रख्यात गणितज्ञ**
**स्ट्रीट कौर चंद, एम.एच.आर. मलोट, पंजाब – 152107**

# कभी शुद्ध हवा की पहचान थे गांव, आज प्रदूषण की चपेट में

*डॉ. विजय गर्ग*

एक समय था जब गांवों का नाम लेते ही मन में हरे-भरे खेतों, पेड़ों की ठंडी छाया, खुले आसमान, स्वच्छ जल और शुद्ध हवा की तस्वीर उभरती थी। गांवों की सुबह पक्षियों की चहचहाहट और ताजी हवा के झोंकों के साथ शुरू होती थी। लोग शहरों की भीड़, धुएं और प्रदूषण से दूर रहने के लिए गांवों का रुख करते थे। लेकिन आज परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। पंजाब के गांव भी वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से अछूते नहीं रहे। कभी स्वच्छ वातावरण की पहचान रहे गांवों की हवा में भी अब धुआं, धूल और जहरीले कण घुलने लगे हैं।

पंजाब में वायु प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं। इनमें पराली जलाना एक प्रमुख कारण है, विशेषकर धान की कटाई के बाद अक्टूबर और नवंबर के महीनों में। खेतों में फसल अवशेष जलाने से निकलने वाला धुआं आसपास के गांवों और कस्बों तक फैल जाता है। इससे हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ती है, जो सांस के साथ शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

हालांकि, प्रदूषण के लिए केवल पराली जलाना ही जिम्मेदार नहीं है। गांवों में बढ़ते वाहन, डीजल से चलने वाली मशीनें, ईंट-भट्ठे, निर्माण कार्य, सड़कों की धूल, कचरा जलाना और घरेलू ईंधन का धुआं भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। खेतों में कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अनियंत्रित उपयोग भी पर्यावरण संबंधी चिंताएं बढ़ाता है।

आज गांवों में भी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सांस संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदूषित हवा से खांसी, आंखों में जलन, एलर्जी, अस्थमा और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने से फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से छोटे बच्चों के विकसित होते फेफड़ों और बुजुर्गों के कमजोर स्वास्थ्य पर इसका अधिक असर पड़ता है।

इस समस्या का एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि गांवों में प्रदूषण की निगरानी और जागरूकता का स्तर अक्सर शहरों की तुलना में कम होता है। अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता मापने वाले उपकरण उपलब्ध नहीं हैं। परिणामस्वरूप लोगों को यह पता ही नहीं चलता कि जिस हवा में वे सांस ले रहे हैं, वह कितनी प्रदूषित है।

इस संकट से निपटने के लिए किसानों को दोषी ठहराने के बजाय उन्हें व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पराली प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, बेलर और अन्य कृषि मशीनों को सुलभ बनाया जाना चाहिए। फसल अवशेषों से जैविक खाद, बायोगैस और अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करने की व्यवस्था विकसित की जा सकती है। किसानों को उचित आर्थिक सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन भी मिलना चाहिए।

गांवों में पेड़ों की संख्या बढ़ाना, सामुदायिक वन विकसित करना, सड़कों के किनारे हरियाली लगाना और तालाबों तथा प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण करना भी जरूरी है। इसके साथ ही कचरा और प्लास्टिक जलाने पर रोक लगनी चाहिए। स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना तथा ईंट-भट्ठों और औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है।

स्कूलों और पंचायतों की इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर जागरूकता रैलियां, पौधारोपण अभियान और स्वच्छ हवा संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। प्रत्येक गांव में वायु प्रदूषण की नियमित निगरानी और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण समितियों का गठन उपयोगी साबित हो सकता है।



सरकार, पंचायतों, किसानों, वैज्ञानिकों और आम नागरिकों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। स्वच्छ हवा केवल शहरों की समस्या नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का अधिकार और आवश्यकता है।

हमें याद रखना चाहिए कि गांव केवल कृषि उत्पादन के केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, प्रकृति और जीवन का आधार भी हैं। यदि गांवों की हवा ही प्रदूषित हो गई तो स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य की कल्पना अधूरी रह जाएगी।

*समय आ गया है कि हम गांवों को फिर से स्वच्छ हवा, हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता की पहचान बनाएं, क्योंकि स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है।*

**सेवानिवृत्त प्राचार्य। प्रख्यात वैज्ञानिक**

# छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई, बड़े प्रतिष्ठानों पर मेहरबानी क्यों?



RMC और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त छापेमारी में प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त, जुर्माना भी वसूला

कोयल नगर फूड कोर्ट और एनएसी मार्केट में कार्रवाई के बीच बड़े व्यावसायिक संस्थानों की जवाबदेही पर उठे सवाल

रिपोर्ट डा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला

शहर को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने की दिशा में राउरकेला महानगर निगम (RMC) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त कार्रवाई निश्चित रूप से स्वागतयोग्य है। शुक्रवार को कोयल नगर फूड कोर्ट और एनएसी मार्केट में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना




लगाया गया। पर्यावरण संरक्षण और प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिहाज से यह पहल महत्वपूर्ण है।

लेकिन इस कार्रवाई के साथ एक बुनियादी सवाल भी खड़ा होता है—क्या पर्यावरण संरक्षण के कानून केवल छोटे दुकानदारों पर लागू होते हैं? रोज कमाकर परिवार चलाने वाले छोटे व्यापारियों की दुकानों पर तत्काल छापेमारी और जुर्माने की कार्रवाई करने वाला सरकारी तंत्र बड़े प्रतिष्ठानों, औद्योगिक इकाइयों और प्रभावशाली व्यावसायिक संस्थानों के मामले में उतनी ही तत्परता क्यों नहीं दिखाता?

शहर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में ऐसे संस्थानों को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं, जिनकी प्रदूषण नियंत्रण संबंधी स्वीकृतियों, अनापत्ति प्रमाणपत्रों और पर्यावरणीय अनुपालन की स्थिति की जांच आवश्यक है। बिरमित्रपुर स्थित मदिरा निर्माण केंद्र सहित बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों के संबंध में उठ रही शिकायतों पर भी संबंधित विभागों को स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए। क्या सभी इकाइयों के पास वैध अनुमति है? क्या उनकी उत्पादन गतिविधियों और प्रदूषण मानकों की नियमित जांच होती है? यदि कहीं नियमों का उल्लंघन है तो कार्रवाई का विवरण जनता के सामने क्यों नहीं आता?

पर्यावरण संरक्षण का अर्थ केवल बाजारों में प्लास्टिक की थैलियां जब्त करना नहीं, बल्कि बड़े प्रदूषण स्रोतों पर भी समान कठोरता से निगरानी रखना है।

RMC और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अभियान जारी रखना चाहिए, लेकिन कार्रवाई का दायरा छोटे दुकानदारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। *कानून की कसौटी पर छोटा दुकानदार और बड़ा उद्योगपति दोनों समान होने चाहिए।*

जनता को दिखावटी कार्रवाई नहीं, निष्पक्ष व्यवस्था और समान न्याय चाहिए।

# राष्ट्रीय ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता में हरियाणा की महिला खिलाड़ियों ने जीता रजत पदक

4000 मीटर टीम परश्यूट मुकाबले में मीनाक्षी, भूमिका, पारुल और वैष्णवी ने किया शानदार प्रदर्शन

हरियाणा कुरुक्षेत्र// राजेश सलूजा




भारतीय साइक्लिंग महासंघ एवं झारखंड साइक्लिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में रांची में आयोजित राष्ट्रीय ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता में हरियाणा की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा के 35 साइक्लिस्ट हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन 4000 मीटर टीम परश्यूट मुकाबले में हरियाणा की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। रजत पदक जीतने वाली टीम में मीनाक्षी, भूमिका, पारुल और वैष्णवी शामिल रहीं। चारों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, गति और खेल कौशल का प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया।

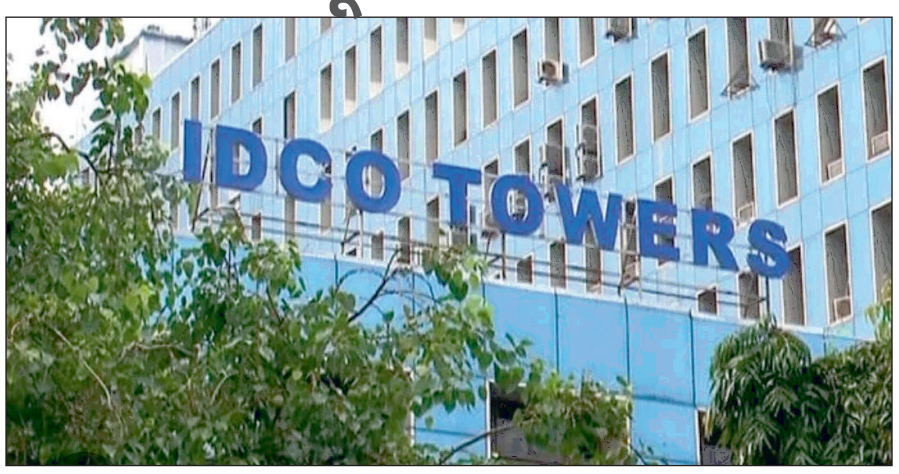
हरियाणा राज्य साइक्लिंग संघ के महासचिव नीरज तंवर ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा के साइक्लिस्ट इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों में भी प्रदेश के खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हरियाणा की झोली में अनेक पदक डालेंगे।

उन्होंने बताया कि मीनाक्षी इस वर्ष एशियाई खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, जबकि टीम की अन्य खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। खिलाड़ियों के साथ प्रबंधक के रूप में गौरव वर्मा और आशु तथा प्रशिक्षक के रूप में सोमवीर सिंह, निर्मल और अनिल कुमार मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षकों और प्रबंधकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ी पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आगामी मुकाबलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

# औद्योगिक विकास के नाम पर 29 एकड़ जमीन वर्षों तक खाली! ओडिशा सरकार ने वेदांता का भूमि आवंटन रद्द किया

सरकारी जमीन पर कब्जा, उद्योग के नाम पर रियायत और वर्षों तक विकास का इंतजार; प्रशासनिक कार्रवाई ने औद्योगिक निवेश की जवाबदेही पर खड़े किए गंभीर सवाल

रिपोर्ट डा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला / झारसुगुडा




ओडिशा में औद्योगिक विकास के नाम पर सरकारी जमीन आवंटित कराने और फिर वर्षों तक उसका उपयोग नहीं करने का मामला एक बार फिर सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही पर बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। राज्य सरकार ने झारसुगुड़ा जिले के पानचापाली गांव में वेदांता लिमिटेड को आवंटित लगभग 28.8 एकड़ सरकारी भूमि का पट्टा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। 27 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, कंपनी को जमीन का शांतिपूर्ण एवं खाली कब्जा संबंधित प्राधिकरण को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि यह जमीन वर्ष 2013 में राज्य के औद्योगिक विकास के लिए इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (IDCO) के माध्यम से आवंटित की गई थी। उद्देश्य था औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, रोजगार पैदा करना और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती देना। लेकिन निरीक्षण में जमीन पर औद्योगिक ढांचे के बजाय केवल चारदीवारी मिली। न कोई उल्लेखनीय निर्माण, न उत्पादन गतिविधि और न ही प्रस्तावित औद्योगिक आधारभूत संरचना।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कंपनी ने इस जमीन को गिरवी रखकर बैंक से ऋण सुविधा भी हासिल की थी। हालांकि, वेदांता के प्रवक्ता के अनुसार, संबंधित ऋण का भुगतान कर दिया गया है। कंपनी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि जमीन का उपयोग भविष्य में विस्तार, सहायक औद्योगिक सुविधाओं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए प्रस्तावित था। इस संबंध में IDCO से बातचीत जारी होने की बात भी कही गई है।

लेकिन यह मामला केवल 28.8 एकड़ जमीन तक सीमित नहीं है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्ट ने ओडिशा में सरकारी जमीन के प्रबंधन की भयावह तस्वीर उजागर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1981 से 2021 के बीच उद्योगों के लिए आवंटित 12,393.651 एकड़ जमीन निर्धारित उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल नहीं हुई। मार्च 2024 तक IDCO ने कुल 50,231.849 एकड़ औद्योगिक जमीन आवंटित की थी। इसके अतिरिक्त 668.893 एकड़ सरकारी जमीन पर अनधिकृत कब्जे का भी खुलासा हुआ, जिसका मूल्य लगभग 597.87 करोड़ रुपये आंका गया।

इसी पृष्ठभूमि में राज्य सरकार ने 267 निष्क्रिय औद्योगिक इकाइयों के भूमि आवंटन रद्द किए हैं तथा 398 अन्य इकाइयों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। सरकार ने तीन वर्षों से अनुपयोगी औद्योगिक जमीन वापस लेने की नीति पर भी जोर दिया है।

सवाल यह है कि आखिर सरकारी जमीन उद्योगों के लिए है या वर्षों तक निजी कंपनियों के पास निष्क्रिय पड़ी रहने के लिए? जिस जमीन से स्थानीय युवाओं को रोजगार, विस्थापित परिवारों को अवसर और क्षेत्र को आर्थिक समृद्धि मिलनी चाहिए, उसका वर्षों तक अनुपयोगी रहना जनहित के साथ अन्याय है।

अब जरूरत केवल आवंटन रद्द करने की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में औद्योगिक भूमि आवंटन, वास्तविक निवेश, रोजगार सृजन और उपयोगिता का सार्वजनिक ऑडिट कराने की है। सरकारी जमीन जनता की संपत्ति है, किसी कंपनी की स्थायी जागीर नहीं।

# करोड़ों की जमीन पर मालिकाना हक का विवाद



दो पक्षों में झड़प से बढ़ा तनाव बम्बई होटल और मधुकर स्टूडियो की बिकी 30 डिसमिल भूमि पर कब्जे के लगने लगातार दूसरे दिन भिड़े दोनों पक्ष, बड़ी अनहोनी की आशंका

रिपोर्ट डा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार राउरकेला

शहर में बम्बई होटल और मधुकर स्टूडियो की बिकी हुई करोड़ों रुपये की जमीन के मालिकाना हक को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। जमीन पर निर्माण कार्य के लिए गड्ढे की भराई कराने के प्रयास के बीच शुक्रवार और शनिवार की रात दोनों पक्षों के बीच जोरदार झड़प हुई। लगातार बढ़ते तनाव के कारण इलाके में अप्रिय घटना की आशंका जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, विवादित जमीन करीब 30 डिसमिल है, जिसका बाजार मूल्य 25 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। इसमें से एक हिस्सा इस्तियाक आलम उर्फ पप्पू ने खरीदा है, जबकि आठ डिसमिल जमीन का पट्टा होने की भी जानकारी सामने आई है।

बताया जाता है कि पिछले एक सप्ताह से पप्पू और उनके परिवार के सदस्य निर्माण कार्य के लिए जमीन के गड्ढे की भराई कराने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, पड़ोस में रहने वाली शिक्षिका हुश्न आरा ने दावा किया है कि विवादित जमीन उनके पुरखों की है। आरोप है कि जमीन के एक हिस्से की खरीद के बावजूद पूरी जमीन पर कब्जे की कोशिश किए जाने से विवाद शुरू हुआ, जो अब लगातार गंभीर होता जा रहा है।

शुक्रवार की रात दोनों पक्षों के बीच जोरदार झड़प के बाद भराई का काम रोकना पड़ा। शनिवार की रात पप्पू और उनके परिवार के सदस्य मौके पर मौजूद नहीं थे, लेकिन पुलिस वैन खड़ी कर भराई कार्य कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान हुश्न आरा और उनके परिवार के सदस्यों की बाहरी लोगों से फिर झड़प हुई, जिसके बाद काम रोकना पड़ा।

मामले में पुलिस के हस्तक्षेप के बावजूद हुश्न आरा के परिवार ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष कार्रवाई की अपील की है।

भूमि का सीमांकन कराने की मांग अंचल के प्रबुद्ध लोगों का कहना है कि प्रशासन को सकारात्मक पहल करते हुए तहसील की मदद से विवादित भूमि का विधिवत सीमांकन कराना चाहिए, ताकि वास्तविक मालिकाना हक और जमीन की स्थिति स्पष्ट हो सके। दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे पर अड़े रहने से विवाद के और गंभीर रूप लेने की आशंका है। ऐसे में प्रशासनिक हस्तक्षेप और निष्पक्ष जांच के जरिए समय रहते स्थिति को नियंत्रित करना जरूरी हो गया है।

# बिरमित्रपुर मदिरा निर्माण केंद्र पर कार्रवाई की फाइल आखिर किसके दबाव में अटकी?

स्थानीय संलग्न प्रशासन, तहसीलदार, आबकारी और प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारियों की भूमिका कठघरे में; संदिग्ध वाहनों के नंबर मिलने के बावजूद जब्ती में देरी क्यों? वरिष्ठ आबकारी अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन नंबरों की जांच लंबित रहने पर उठे सवाल; पूरे प्रकरण में प्रशासनिक संपर्कों और निर्णयों की निष्पक्ष जांच की मांग

रिपोर्ट डा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला




बिरमित्रपुर स्थित मदिरा निर्माण केंद्र को लेकर उठ रहे अनियमितताओं के आरोप अब केवल उत्पादन, परिवहन और राजस्व तक सीमित नहीं रह गए हैं। जिलापाल के निर्देशों, विभिन्न कार्यालयों में पहुंची शिकायतों और संबंधित विभागों की जानकारी के बावजूद ठोस कार्रवाई सामने नहीं आने से स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर किसके संरक्षण में कार्रवाई की प्रक्रिया इतनी धीमी पड़ गई है?

इस पूरे प्रकरण में स्थानीय तहसीलदार, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग, आबकारी विभाग तथा अन्य संबंधित कार्यालयों के उच्चाधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। जब शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक पहुंच चुकी हैं, तो अब तक संयुक्त निरीक्षण, दस्तावेजों का सत्यापन और नियमानुसार कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक क्यों नहीं की गई?

मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पूर्व में आबकारी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कथित रूप से कुछ संदिग्ध वाहनों के पंजीकरण नंबर विभाग को उपलब्ध कराए गए थे और उनकी जांच कर आवश्यकतानुसार जब्ती की कार्रवाई करने की बात सामने आई थी। ऐसे में सवाल है कि वे वाहन किनके नाम पर पंजीकृत हैं? उनका मदिरा निर्माण केंद्र से क्या संबंध है? विभाग को नंबर उपलब्ध होने के बावजूद उनकी पहचान, जांच और संभावित जब्ती में इतनी देरी क्यों हो रही है? इन सवालों का जवाब संबंधित अधिकारियों को देना चाहिए।

इसके साथ ही, यदि जांच में आवश्यक और कानूनी आधार सामने आते हैं, तो प्रतिष्ठान के कथित संचालकों, प्रबंधनकर्ताओं तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के बीच हुए आधिकारिक और प्रासंगिक संपर्कों की भी सक्षम एजेंसी द्वारा जांच होनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर विधिसम्मत अनुमति के साथ कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और अन्य संचार अभिलेखों की पड़ताल से यह स्पष्ट हो सकता है कि शिकायतों पर कार्रवाई के दौरान किस स्तर पर संपर्क और हस्तक्षेप हुआ।

मासिक करोड़ों के कथित कारोबार, अंतरराज्यीय आपूर्ति, संभावित राजस्व नुकसान और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन जैसे आरोपों को अब फाइलों में दबाकर नहीं रखा जा सकता।

प्रशासन को स्पष्ट करना होगा कि कार्रवाई में देरी प्रशासनिक शिथिलता है या किसी प्रभावशाली हस्तक्षेप का परिणाम।

जिलापाल महोदय को संयुक्त जांच की समयसीमा निर्धारित कर वाहन नंबरों, लाइसेंस, उत्पादन अभिलेख, परिवहन दस्तावेजों और प्रदूषण संबंधी अनुमतियों की जांच करानी चाहिए। आरोप सही हों तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो और निराधार हों तो तथ्य सार्वजनिक किए जाएं। आखिर कानून की जवाबदेही प्रतिष्ठान और प्रशासन, दोनों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए।

# अपना ऑटो टैक्सी यूनियन ने मनाया दीपावली मिलन - चालकों को दी शुभ दीपावली की शुभकामनाएं

संतोष पाण्डेय के नेतृत्व में मिठाई बांटकर स्वागत, दिल्ली सरकार की नीतियों पर जताई नाराजगी

संदेश: आपका साथी संतोष पाण्डेय - सभी चालकों को शुभ दीपावली।

**1. तथ्य - दीपावली मिलन समारोह:**

आज अपना ऑटो टैक्सी यूनियन द्वारा हर वर्ष की तरह दीपावली की खुशी में सभी ऑटो-टैक्सी चालक साथियों का दीपावली की मिठाई के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी चालकों को शुभ दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का नेतृत्व यूनियन साथी संतोष पाण्डेय ने किया। जय श्री राम के उद्घोष के साथ सभी चालकों में उत्साह देखा गया।

**2. मुख्य बिंदु - चालकों की नाराजगी:**

बैठक में दिल्ली के ऑटो-टैक्सी चालकों की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा हुई:

- दिल्ली सरकार पर अन्याय का आरोप - कंपनियों के माध्यम से चालकों को लूटने का कार्य करवाने का आरोप
- प्राइवेट वाहनों (बाइक टैक्सी, कार पूलिंग) को बढ़ावा देकर पारंपरिक ऑटो-टैक्सी का काम खत्म करने का प्रयास
- कमर्शियल परमिट, फिटनेस, और एग्रीगेटर कमीशन में बढ़ोतरी से रोजगार पर संकट

**3. आंदोलन की चेतावनी:**

चर्चा में निर्णय लिया गया कि जल्द ही दिल्ली के कमर्शियल चालक, देश के सभी कमर्शियल चालकों के साथ मिलकर केंद्र की मोदी सरकार और दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेंगे।



टेंपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत
https://tolwa.com/about.html | tolwaindia@gmail.com, tolwadelhi@gmail.com

# आज का साइबर सुरक्षा विचार: "लॉस्ट USB ट्रैप" : एक छोटा उपकरण, लेकिन बड़ा साइबर खतरा



पिंकी कुंडू

"किसी नेटवर्क में सेंध लगाने का सबसे आसान तरीका उसके फ़ायरवॉल को हैक करना नहीं, बल्कि फ़र्श पर छोड़ी गई एक USB ड्राइव हो सकती है।"

आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी केवल तकनीकी कमजोरियों का ही नहीं, बल्कि मानवीय जिज्ञासा और व्यवहार का भी फायदा उठाते हैं। ऐसी ही एक सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी साइबर हमले की तकनीक है "लॉस्ट USB ट्रैप" (Lost USB Trap)।

साइबर अपराधी जानबूझकर USB ड्राइव, पेन ड्राइव, एक्सटर्नल स्टोरेज डिवाइस या अन्य हटाने योग्य मीडिया (Removable Media) को पार्किंग स्थल, कार्यालय परिसर, कैफेटेरिया, सम्मेलन स्थलों, स्वागत कक्षों तथा कभी-कभी कर्मचारियों की कंप्यूटर टेबल के आसपास छोड़ देते हैं। डिवाइस के मालिक के बारे में जानने की उत्सुकता या जिज्ञासा के कारण लोग अक्सर इन्हें अपने कंप्यूटर में लगा देते हैं, जिससे अनजाने में मैलवेयर सक्रिय हो सकता है और पूरा नेटवर्क प्रभावित हो सकता है।

यह हमला तकनीकी खामियों से अधिक मानवीय व्यवहार का शोषण करता है, इसलिए इसे सोशल इंजीनियरिंग हमला (Social Engineering Attack) माना जाता है।

**यह हमला कैसे काम करता है?**

1. हमलावर USB डिवाइस में मैलवेयर, स्पाइवेयर, रैनसमवेयर या अन्य दुर्भावनापूर्ण स्क्रिप्ट लोड करता है।

2. इस डिवाइस को ऐसे स्थान पर छोड़ दिया जाता है जहाँ कर्मचारियों या अन्य व्यक्तियों के उसे मिलने की संभावना अधिक हो।

3. कोई अनजान व्यक्ति USB को कंप्यूटर में लगा देता है।

4. मैलवेयर निम्न माध्यमों से स्वतः सक्रिय हो सकता है:

o ऑटो-रन (AutoRun) फीचर

o दुर्भावनापूर्ण निष्पादन योग्य फाइलें (Executable Files)

o BadUSB फर्मवेयर में छेड़छाड़

o मैलवेयर युक्त नकली दस्तावेज

5. सक्रिय होने के बाद मैलवेयर:

o लॉगिन क्रेडेंशियल चोरी कर सकता है

o बैकडोर स्थापित कर सकता है

o फाइलों को एनक्रिप्ट कर रैनसमवेयर हमला कर सकता है

o नेटवर्क में अन्य सिस्टम तक फैल सकता है

o संवेदनशील सूचनाओं की चोरी कर सकता है

**यह इतना खतरनाक क्यों है?**

**1. पारंपरिक सुरक्षा उपायों को दरकिनार कर देता है**

फायरवॉल, ईमेल फ़िल्टर और अन्य ऑनलाइन सुरक्षा उपाय इंटरनेट-आधारित खतरों को रोक सकते हैं, लेकिन एक संक्रमित USB सीधे सिस्टम से जुड़कर कई सुरक्षा नियंत्रणों को निष्प्रभावी कर सकती है।

**2. मानवीय जिज्ञासा का फायदा उठाता है**

हमलावर जानते हैं कि लोग "Confidential", "Salary Data", "Payroll", "Interview Results" या "Passwords" जैसे लेबल देखकर USB खोलने के लिए आकर्षित होंगे।

**3. पूरे नेटवर्क को प्रभावित कर सकता है**

एक ही संक्रमित USB किसी एक कंप्यूटर से शुरू होकर पूरे संगठन के नेटवर्क को प्रभावित कर सकती है।




**4. पहचानना कठिन होता है**

उन्नत USB मैलवेयर लंबे समय तक निष्क्रिय रह सकता है, एंटीवायरस से बच सकता है और विशेष परिस्थितियों में ही सक्रिय हो सकता है।

**वास्तविक उदाहरण**

स्टक्सनेट (Stuxnet)

विश्व के सबसे चर्चित साइबर हमलों में से एक Stuxnet संक्रमित USB ड्राइवों के माध्यम से ऐसे सिस्टमों तक पहुँचा था जो इंटरनेट से पूरी तरह अलग (Air-Gapped) थे। इससे साबित हुआ कि USB जैसे हटाने योग्य उपकरण अत्यधिक सुरक्षित नेटवर्क को भी प्रभावित कर सकते हैं।

**रेड टीम सुरक्षा परीक्षण**

विभिन्न साइबर सुरक्षा जागरूकता अध्ययनों और रेड टीम परीक्षणों से यह सामने आया है कि कार्यालय परिसरों में मिली अज्ञात USB ड्राइवों को कर्मचारी अक्सर अपने सिस्टम में लगा देते हैं, जिससे इस तकनीक की प्रभावशीलता सिद्ध होती है।

**संभावित परिणाम**

यदि संक्रमित USB सिस्टम से जुड़ जाती है तो निम्नलिखित परिणाम हो सकते हैं:

– गोपनीय एवं संवेदनशील सूचनाओं की चोरी

– बैंकिंग एवं वित्तीय धोखाधड़ी

– यूजर आईडी एवं पासवर्ड की चोरी

– रैनसमवेयर हमले

– डेटा उल्लंघन (Data Breach)

– सरकारी एवं महत्वपूर्ण अवसंरचना सेवाओं में व्यवधान

– सिस्टम तक अनधिकृत रिमोट एक्सेस

**संदिग्ध USB की पहचान कैसे करें?**

निम्न संकेत किसी USB डिवाइस को संदिग्ध बना सकते हैं:

– मालिक की जानकारी अज्ञात हो।

– पार्किंग, लिफ्ट, कैफेटेरिया या सार्वजनिक स्थानों पर मिली हो।

– उस पर असामान्य लेबल लगे हों जैसे:

o "Salary Details"

o "Confidential"

o "Personal Photos"

o "Passwords"

o "Annual Appraisal"

– किसी अविश्वसनीय या अज्ञात स्रोत से प्राप्त हुई हो।

– कंप्यूटर से जोड़ते ही असामान्य पॉप-अप या गतिविधि दिखाई दे।

व्यक्तियों के लिए सुरक्षा उपाय

किसी भी अज्ञात USB डिवाइस को कभी भी कंप्यूटर से न जोड़ें।

मिली हुई USB को IT विभाग या सुरक्षा टीम को सौंपें।

सिस्टम में AutoRun एवं AutoPlay सुविधाओं को बंद रखें।

अद्यतन एंडपॉइंट सुरक्षा समाधान (Endpoint Security Solutions) का उपयोग करें।

किसी भी रिमूवेबल मीडिया को खोलने से पहले स्कैन करें।

संगठन की USB एवं बाहरी स्टोरेज नीति का पालन करें।

किसी संदिग्ध USB या साइबर घटना की तुरंत रिपोर्ट करें।

संगठनों के लिए सुरक्षा उपाय

– Endpoint Management टूल्स द्वारा USB उपयोग को नियंत्रित करें।

– Device Control Policies लागू करें।

– उन्नत EDR (Endpoint Detection & Response) समाधान तैनात करें।

– नियमित साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित करें।

– USB उपयोग की लॉग मॉनिटरिंग करें।

– Least Privilege Principle लागू करें।

– मिली हुई स्टोरेज डिवाइसों को संभालने हेतु स्पष्ट SOP विकसित करें।

"प्लग करने से पहले सोचें" (Think Before You Plug)

एक साधारण USB ड्राइव देखने में भले ही हानिरहित लगे, लेकिन यह मैलवेयर, रैनसमवेयर, क्रेडेंशियल चोरी और नेटवर्क समझौते (Network Compromise) का प्रवेश द्वार बन सकती है।

यदि किसी USB डिवाइस का स्रोत ज्ञात नहीं है, तो उसे किसी भी सिस्टम, लैपटॉप या मोबाइल डिवाइस से कभी न जोड़ें।

"आपकी जिज्ञासा, साइबर अपराधियों का सबसे शक्तिशाली हथियार बन सकती है।"

# ओडिशा से हजारों की संख्या में कांग्रेस नेताओं ने रामलीला मैदान की सभा में लिया हिस्सा

मनोरंजन शासमल, स्टेट हेड ओडिशा



भुवनेश्वर : देश में लोकतंत्र की रक्षा, संविधान एवं संवैधानिक संस्थाओं की सुरक्षा तथा चुनावों में कथित वोट चोरी के षड्यंत्र के मुख्य सूत्रधार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'दिल्ली चलो' आह्वान पर आज ओडिशा से हजारों की संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में हिस्सा लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास के नेतृत्व में राज्य के सभी पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, वर्तमान विधायक एवं सांसद, पूर्व विधायक एवं सांसद, सभी जिला कांग्रेस अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव तथा विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रमुखों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा कांग्रेस के अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी तथा महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ महिला नेताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

दिल्ली के कनॉट प्लेस के निकट बाराखंभा रोड से प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी लालजी देसाई और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास के नेतृत्व में सभी नेता एक विशाल जुलूस के रूप में रामलीला मैदान की ओर रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने 'ज्ञानेश कुमार हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' और 'वोट चोर जहां, भाजपा कार्यालय वहां' जैसे नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं ने चार किलोमीटर से अधिक की दूरी पैदल तय करते हुए गेट नंबर-2 से रामलीला मैदान में प्रवेश किया। इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख नेताओं में ओडिशा प्रभारी जेटी कुसुम कुमार, मयूरा एस. जयकुमार, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जयदेव जेना, शरत पटनायक, प्रसाद हरिचंदन, कांग्रेस विधायक दल के नेता रामचंद्र काडाम, सुरेश कुमार राउतराय, तारा बाहिनीपति, राजन एक्का, देवाशीष पटनायक, मीनाक्षी बाहिनीपति, सत्यजीत गमांग, संतोष सिंह सलूजा, कृष्ण चंद्र सगरिया, विभूति भूषण महापात्र, नवज्योति पटनायक, शुभेंदु महांती, रजनी महांती, सस्मिता बेहरा, प्रकाश मिश्रा, सोनाली साहू, मनीषा दास पटनायक, जयस्मिता महांती, सुनीता बिश्वाल, अकबर उज्जमान खान, जियाउल हक, विश्वजीत दास, काडरका अप्पलस्वामी, नगेंद्र प्रधान, बांकीनिधि बेहरा, संजय त्रिपाठी और सिद्धार्थ राउतराय प्रमुख रूप से शामिल थे।

# लखनऊ में साइबर अपराधियों पर क्राइम ब्रांच का बड़ा एक्शन - एक दर्जन सिम बॉक्स बरामद!

पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के निर्देश पर ADCP क्राइम किरण यादव के नेतृत्व में अंतरराज्यीय गैंग पर शिकंजा

रिपोर्ट विशेष संवाददाता परिवहन विशेष समाचार पत्र

1. तथ्य: लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच साइबर यूनिट ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर ठगी नेटवर्क पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई सुशांत गोल्फ सिटी, गोमतीनगर, पारा, चिनहट और BBD क्षेत्रों में एक साथ चलाई गई, जिसका नेतृत्व 2021 बैच की IPS अधिकारी ADCP क्राइम किरण यादव ने किया।

**2. बरामदगी और कार्यप्रणाली:**

छापेमारी में करीब एक दर्जन अत्याधुनिक सिम बॉक्स बरामद होने की जानकारी है। सिम बॉक्स एक ऐसा अवैध उपकरण है जिसमें सैकड़ों प्री-एक्टिवेटेड सिम लगाकर विदेशों से आने वाली VoIP कॉल को लोकल मोबाइल नंबर में बदल दिया जाता है, ताकि पीड़ित को लगे कि कॉल भारत से ही आ रही है। इसी तकनीक से विदेश में बैठे साइबर अपराधी भारतीय और विदेशी नागरिकों को ठगी, डिजिटल अरेस्ट और बैंक फ्रॉड का शिकार बनाते थे।

3. अंतरराज्यीय कनेक्शन: प्रारंभिक जांच में इस गैंग के तार गुजरात, असम, गोवा समेत कई राज्यों से जुड़ने की जानकारी सामने आई है। सिम बॉक्स से होने वाली कॉल रूटिंग के कारण लोकल पुलिस के लिए ट्रेसिंग मुश्किल हो जाती है, इसलिए यह संगठित साइबर अपराध का नया तरीका बन गया है।

4. कानूनी प्रावधान: इस अपराध पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318 (साइबर धोखाधड़ी), धारा 319 (चीटिंग), IT एक्ट 2000 की धारा 66C (पहचान की चोरी), 66D (छद्म रूप धारण कर ठगी) और भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम की धारा 20, 21 के तहत कार्रवाई होगी। लखनऊ क्राइम ब्रांच साइबर यूनिट अब बरामद उपकरणों के IMEI, सिम जारी करने वाले पते और कॉल डाटा रिकॉर्ड की गहन जांच में जुटी है।

यह कार्रवाई साइबर अपराध के विरुद्ध उत्तर प्रदेश पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

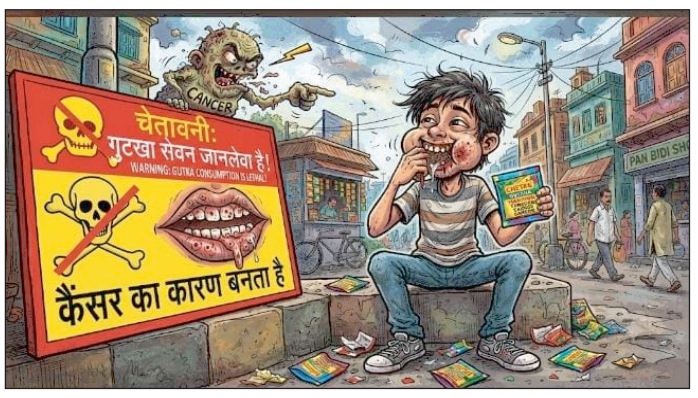
सावधानी - साइबर ठगी से बचने के लिए 1930 पर कॉल करें।




# गुटखा-तंबाकू सिगरेट पर बड़ा सवाल।

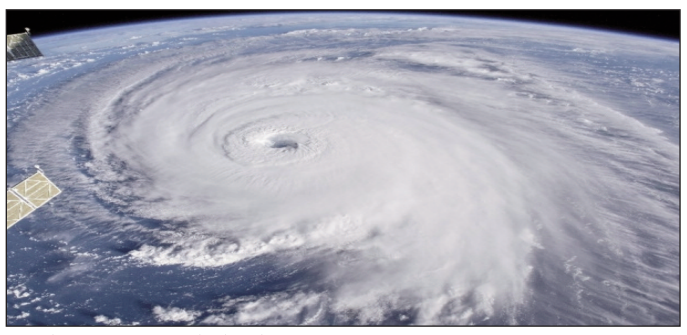
जागरूकता का ढोंग या राजस्व का खेल सरकार की दोहरी नीति और युवाओं की बर्बादी पर उठे गंभीर सवाल।

हरिओम बाजपेई नादान'




**पीलीभीत।** आज देश में तंबाकू, गुटखा और सिगरेट के सेवन से हर साल लाखों लोग कैंसर, तपेदिक और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार होकर अपनी जान गंवा रहे हैं। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिसकी पुष्टि खुद सरकार समय-समय पर बड़े-बड़े विज्ञापनों, प्रचार अभियानों और जन-जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए करती है। सरकार इन विज्ञापनों पर जनता के खूनपसीने की कमाई का करोड़ों रुपया पानी की तरह बहाती है, ताकि लोगों को यह याद दिलाया जा सके कि ₹तंबाकू स्वास्थ्य के लिए घातक है। लेकिन इन सबके बीच आम जनता के मन में एक सुलगता हुआ और जायज सवाल खड़ा हो गया है कि जब सरकार को इसके जानलेवा परिणामों की पूरी जानकारी है, तो फिर सरकार इन उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध क्यों नहीं लगा देती आजइस समस्या का सबसे डरावना और चिंताजनक पहलू यह है कि आज देश का युवा वर्ग और स्कूली छात्र महिलाएं इसकी चपेट में सबसे तेजी से आ रही हैं। स्कूलों और शिक्षण संस्थानों के आसपास खुलेआम बिकने वाली ये नशीली चीजें आज बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रही हैं। शुरुआत में जो युवा महज 'शौकिया' तौर पर या दोस्तों की देखा देखी इनका सेवन शुरू करते हैं, वे कब इनकी गंभीर लत के गुलाम बन जाते हैं, उन्हें खुद पता नहीं चलता। यह स्थिति आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुकी हैविशेषज्ञों और आम नागरिकों का मानना है कि तंबाकू और सिगरेट कंपनियों से मिलने वाला भारी भरकम केंद्रीय और प्रांतीय कर सरकार के लिए एक बड़ा वित्तीय जरिया है।जहा एक तरफ सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के बजट और कैंसर के इलाज पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करती है, तो दूसरी तरफ उसी बीमारी को न्योता देने वाले उत्पादों की बिक्री को अप्रत्यक्ष रूप से खुली छूट देती है। जनता का सवाल है कि क्या सरकार की प्राथमिकता में 'मानव जीवन' पहले है या फिर 'राजस्व यानी कर की कमाई भारत में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम जैसे कड़े कानून मौजूद हैं, जिनके तहत सार्व जनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध है और शिक्षण संस्थानों के पास तंबाकू बेचने पर पाबंदी है। इसके बावजूद, जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज स्कूलों के इर्द-गिर्द धड़ल्ले से गुटखा सिगरेट और मादक पदार्थ बिक रहे हैं, और स्थानीय प्रशासन इस पर आंखें मूंदे बैठा है। क्या यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी है या फिर राजनीतिक मिलीभगत एक तरफ सिगरेट के पैकेटों पर केवल सांकेतिक तस्वीरें छपवा देना या साल में एक दो बार विज्ञापनों के जरिए खानापूर्ति कर लेना अब काफी नहीं है पीलीभीत समेत पूरे देश के जागरूक नागरिकों की मांग है कि सरकार को इस दोहरी नीति को छोड़कर सशक्त कदम उठाने चाहिए तंबाकू गुटखा और स्कूलो के पास बिकने वाले इन नशीले उत्पादों के उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।

# बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवात, 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा 'मुरासु'



मनोरंजन शासमल, स्टेट हेड ओडिशा

**भूबनेश्वर:** बंगाल की खाड़ी में एक नया चक्रवात बन गया है। 'मुरासु' 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तटवर्ती इलाकों की ओर बढ़ रहा है। अगले 24 घंटों के भीतर इसके भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, 3 नवंबर तक इसके आंध्र प्रदेश के तट के निकट लैंडफॉल करने की आशंका है। गहरे दबाव का क्षेत्र और अधिक शक्तिशाली होकर चक्रवात में बदल चुका है। अनुमान है कि लैंडफॉल के समय यह भीषण चक्रवात का रूप ले सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तथा झोंकों की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस संबंध में जानकारी दी है। चक्रवात 'अर्णव' का प्रभाव अभी पूरी तरह समाप्त भी नहीं हुआ है कि बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवात बन गया है। 'अर्णव' के प्रभाव से गंजाम जिला पहले से ही भारी बारिश और जलभराव की स्थिति से जूझ रहा है। अब दक्षिण ओडिशा में चक्रवात 'मुरासु' का प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इसके प्रभाव से 3 से 5 नवंबर तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। विशेष रूप से गंजाम, गजपति और कंधमाल जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है।

इधर, चक्रवात 'मुरासु' से निपटने के लिए राज्य सरकार ने पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। गजपति जिले में भूस्खलन की आशंका वाले 150 संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की गई है। प्रशासन का लक्ष्य शाम तक प्रभावित एवं जोखिम वाले क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी करना है। चक्रवात की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त मात्रा में राहत सामग्री का भंडारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

# अपहरण केबाद कालपी बार संघ अध्यक्ष की कानपुर में हत्या, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

सुनील बाजपेई

कानपुर। मुकदमे की फाइल देने के बहाने से कानपुर बुलाए गए जालौन के कालपी बार संघ अध्यक्ष की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। उनकी लाश आज रविवार को यहां सचेंडी क्षेत्र से बरामद की गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर है।

**पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक**

70 साल के वरिष्ठ अधिवक्ता और कालपी बार संघ क के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार का शनिवार रात कानपुर-झांसी हाईवे पर दुर्गा मंदिर चौराहे से कार सवार बदमाशों ने अगवा कर लिया था। इसके बाद ही आज रविवार सुबह सचेंडी इलाके में शव मिला।

**पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अधिवक्ता**

गयादीन को फोन कर केस की फाइल के बारे में बात करने के बहाने बुलाया गया था। इसके बाद अपहरण करता उन्हें किडनैप कर उरई की ओर ले गए। बाद में उनका मोबाइल फोन बंद आने लगा। जिस नंबर से उन्हें फोन किया गया, वह भी स्विच ऑफ हो गया था। जहां तक घटना की वजह का सवाल है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद की बात सामने आई है। इस 2 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक चौथी बार कालपी बार संघ के अध्यक्ष बने गयादीन अहिरवार जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर कालपी कोतवाली के कागजीपुरा इलाके के रहने वाले थे। परिजनों के मुताबिक 8 मई 2026 को हुए चुनाव में जीत हासिल करने वाले गयादीन 1981 से कालपी में सिविल और क्रिमिनल मामलों की वकालत कर रहे थे। उनके परिवार में पत्नी राजेश्वरी (68), तीन बेटे और दो बेटियां हैं। बड़ा बेटा सौरभ (40) लखनऊ में काम करता है। छोटा बेटा हर्षमित्रा (30) कालपी में घर पर ही रहता है। एक बेटे गौरव मित्रा की 31 अक्टूबर 2025 को मौत हो गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023